RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

smarthalchal.com

# स्मार्ट हलचल

वर्ष-11 | अंक-04 | जयपुर, शनिवार, 04 जुलाई 2026 | मूल्य-4 रूपये

**राम मंदिर चढ़ावा चोरी**

## 13 घंटे की रिमांड पूरी होने से पहले अविनाश शुक्ला को जेल भेजा

**अयोध्या।** राम मंदिर दान गबन मामले के मुख्य आरोपी अविनाश शुक्ला को 13 घंटे की पुलिस रिमांड पूरी होने से पहले शुक्रवार रात करीब 9:37 बजे जिला कारागार वापस भेज दिया गया। रिमांड के दौरान पुलिस ने उसकी निशानदेही पर अयोध्या स्थित आवास, कथित रूप से पैसा बांटने वाले स्थान सहित कई अहम जगहों पर छापेमारी की।

सूत्रों के अनुसार पुलिस ने अविनाश शुक्ला की ब्रेजा कार भी बरामद कर ली है। बताया जा रहा है कि कार उसकी निशानदेही पर मिली और उससे जांच से जुड़े अहम साक्ष्य भी प्राप्त हुए हैं। इससे पहले पुलिस अविनाश शुक्ला से 20 लाख रुपये की बरामदगी भी कर चुकी है। सूत्रों के हवाले से यह भी जानकारी सामने आई है कि आगे और पूछताछ के लिए अविनाश शुक्ला को दोबारा पुलिस रिमांड पर लेने की तैयारी कर रही है।

# टीएमसी ऑफिस भी गंवा बैठीं ममता ऋतब्रत गुट ने किया टेकओवर

### टीएमसी हेडक्वार्टर पर बागी गुट का कब्जा, ताले हटाए, पोस्टर बदले

**कोलकाता**

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बागी गुट ने शुक्रवार को कोलकाता स्थित पार्टी हेडक्वार्टर पर कब्जा कर लिया। ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व में गुट ने दफ्तर के ताले बदल दिए और नए पोस्टर लगाए। नए पोस्टर्स में ममता बनर्जी की तस्वीर नहीं थी। हालांकि, अंदर लगी उनकी तस्वीर और कटआउट को नहीं हटाया गया।

ऋतब्रत बनर्जी ने समर्थकों-नेताओं के साथ मुख्यालय में बैठक कर खुद को असली तृणमूल कांग्रेस बताया। उन्होंने कहा कि अब पार्टी का काम यहीं से चलेगा। एक दिन पहले गुरुवार को उनके गुट ने चुनाव आयोग में पार्टी के नाम, चुनाव चिह्न और संगठन पर दावा पेश किया था।

विधानसभा चुनाव में हार के बाद 3 जून को टीएमसी के 80 में से 58 विधायक ममता बनर्जी के नेतृत्व से अलग हो गए थे। 22 जून को हुई प्रतिनिधि बैठक में नए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और 30 सदस्यीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन किया गया था।

#### पार्टी के नए चेयरमैन के नाम वाला प्लेकार्ड लगाया

यह घटनाक्रम सिर्फ एक इमारत पर नियंत्रण का मामला नहीं है, बल्कि यह ममता बनर्जी के 'कालीघाट गुट' के खिलाफ ऋतब्रत खेमे की सीधी जंग का एलान है। दिलचस्प बात यह है कि कार्यालय के भीतर ममता बनर्जी की तस्वीरों और कटआउट्स को छुआ तक नहीं गया है। ऋतब्रत गुट ने एक सोची-समझी रणनीति के तहत साफ किया है कि वे 'दीदी' को अपना मार्गदर्शक (परामर्शदाता) मानते हैं, लेकिन वे ममता-अभिषेक की जोड़ी के बिना ही आगे बढ़ेंगे।

3 जून को टीएमसी में पहली बार बगावत की खबर सामने आई थी। 58 बागी विधायकों ने पार्टी से निकाले गए विधायक ऋतब्रत बनर्जी को अपना नेता चुना। विधानसभा स्पीकर रथींद्र बोस को समर्थन पत्र दिया। इसमें मांग की गई कि ऋतब्रत को नेता विपक्ष घोषित किया जाए। स्पीकर ने मंजूरी दे दी।

टीएमसी के पास कुल 28 लोकसभा सांसद थे, जिसमें से 20 अलग हो गए हैं। अब लोकसभा में ममता के पास सिर्फ 8 सांसद बचे हैं। राज्यसभा की बात करें तो 13 में से 4 सांसद इस्तीफा दे चुके हैं यानी सिर्फ 9 राज्यसभा सांसद बचे हैं।

#### कुनाल घोष मुख्यालय में घुस नहीं पाए

*ममता बनर्जी समर्थक गुट के वरिष्ठ नेता कुनाल घोष कार्यालय पहुंचे, लेकिन गेट पर ताला लगे होने के कारण अंदर नहीं जा सके। उन्होंने कहा कि जो लोग ये दावा कर रहे हैं, वे निर्दलीय चुनाव जीतकर नहीं आए थे। कार्यालय पर कब्जा राज्य प्रशासन और पुलिस की सहमति से किया गया है।*

#### पुलिस और सरकार की मिलीभगत से हो रहा: कुणाल

दूसरी तरफ, कालीघाट स्थित ममता खेमे में इस घटना से भारी आक्रोश है। ममता खेमे के विधायक कुणाल घोष ने सरकार और पुलिस पर सीधा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि यह कब्जा पूरी तरह राज्य प्रशासन की मिलीभगत से हुआ है और एक निष्कासित नेता भाजपा की 'बी टीम' बनकर यह गंदा खेल खेल रहा है।

### 'बम-बम भोले' के जयकारों से गूंज उठा कश्मीर

# अमरनाथ यात्रा शुरूः पहले दिन 9 हजार श्रद्धालु दर्शन करेंगे

**जम्मू**

57 दिन की अमरनाथ यात्रा शुक्रवार से शुरू हो गई। यात्रा का पहला जत्था गांदरबल जिले के बालटाल और अनंतनाग जिले के पहलगाम (नुनवान) बेस कैंप से बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए रवाना हुआ। इस जत्थे में 4,822 श्रद्धालु शामिल हैं।

ये सभी श्रद्धालु गुरुवार को बेस कैंप में पहुंचे थे। जम्मू-कश्मीर प्रशासन के मुताबिक, पहले जत्थे के श्रद्धालुओं के साथ जवान और अन्य व्यवस्थाओं में लगे लोग मिलाकर कुल 9 हजार लोग आज शाम तक दर्शन करेंगे। यात्रा मार्ग पर हर 2 किलोमीटर पर ऑक्सीजन बूथ बनाए गए हैं। दोमेल रूट पर चार जगह बड़ी स्क्रीन के जरिए मौसम की जानकारी दी जा रही है। बालटाल रूट पर 12 जगह वाटरप्रूफ डोम बनाए गए हैं।

अमरनाथ यात्रा दो रास्तों से की जाती है। पारंपरिक रास्ता 48 किलोमीटर लंबा नुनवान-पहलगाम से है। दूसरा रास्ता गांदरबल जिले में 14 किलोमीटर लंबे बालटाल से है। यात्रा 28 अगस्त को खत्म होगी।

अमरनाथ यात्रा के दूसरे जत्थे के 3,865 श्रद्धालु शुक्रवार देर शाम कश्मीर पहुंचेंगे। इनमें 1,735 श्रद्धालु 115 वाहनों से बालटाल बेस कैंप जा रहे हैं, जबकि 2,130 श्रद्धालु 86 वाहनों से पारंपरिक पहलगाम मार्ग की ओर रवाना हुए।

शनिवार सुबह 3,865 श्रद्धालुओं को बालटाल और नुनवान-पहलगाम बेस कैंपों से पवित्र अमरनाथ गुफा के दर्शन के लिए रवाना किया जाएगा।

कश्मीर में लगातार बारिश और खराब मौसम को देखते हुए श्रद्धालुओं को दर्शन के बाद तुरंत नीचे लौटने की सलाह दी गई है।

**इंस्टाग्राम विज्ञापन पर सरकार सख्त**

## विज्ञापनों में बाल यौन शोषण से जुड़े कंटेंट दिखाने का आरोप

**नई दिल्ली।** मेटा पर इस समय सरकार की कड़ी नजर है। सूत्रों के मुताबिक आज यानी शुक्रवार को आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अपने मंत्रालय के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे इंस्टाग्राम पर बाल यौन शोषण सामग्री को बढ़ावा देने वाले विज्ञापनों को लेकर मेटा को तुरंत तलब करें और जवाब मांगें। लेकिन यहां बात सिर्फ इंस्टाग्राम तक ही सीमित नहीं है। बीते बुधवार को सरकार व्हाट्सएप के प्रस्तावित यूजरनेम फीचर को लेकर भी कंपनी को नोटिस जारी कर चुकी है।

आईटी मंत्रालय मेटा से यह स्पष्ट करने को कह सकता है कि इंस्टाग्राम पर ऐसे विज्ञापन कैसे दिखाई दिए, जिनका संबंध कथित तौर पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़े कंटेंट से था।

# राजस्थान में फिर हिंदी माध्यम में बदलेंगे 300 महात्मा गांधी स्कूल

**जयपुर**

राजस्थान के 300 महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में स्टूडेंट्स की संख्या बहुत कम है। कई स्कूलों में छात्रों से ज्यादा टीचर है, जबकि कुछ स्कूल ऐसे भी हैं जहां एक भी स्टूडेंट नहीं पढ़ रहा है। इन हालात को देखते हुए राज्य सरकार अब इन स्कूलों में अंग्रेजी के साथ हिंदी माध्यम भी शुरू करने की तैयारी कर रही है।

इसके लिए जिला शिक्षा अधिकारियों से सात दिन में विस्तृत रिपोर्ट और प्रस्ताव मांगे गए हैं।

सरकार का मानना है कि इससे उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा, हिंदी माध्यम के विद्यार्थियों को भी एडमिशन मिलेगा और स्कूलों में छात्रों की संख्या बढ़ सकेगी। इन स्कूलों की कम छात्र संख्या में भी फर्जी नामांकन की आशंका है। कई बार स्कूलों में सिर्फ टीचर के पद को बचाये रखने के लिए भी छात्रों के फर्जी नाम लिख दिए जाते हैं। ऐसे में इन सभी स्कूलों में फर्जी नामांकन की जांच की जा रही है। शिक्षा विभाग ने ऐसे करीब 300 अंग्रेजी माध्यम स्कूलों की सूची तैयार की है, जहां छात्र संख्या 50 से कम है, जबकि स्टाफ 10 से 15 तक है। कई स्कूलों में एक शिक्षक को पढ़ाने के लिए औसतन 10 छात्र भी नहीं मिल रहे हैं। इसी स्थिति को देखते हुए विभाग ने जिला शिक्षा अधिकारियों से प्रस्ताव मांगे हैं कि इन स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम के साथ हिन्दी माध्यम भी शुरू किया जाए, ताकि उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग हो सके और छात्र संख्या बढ़ाई जा सके।

# चलते ई-रिक्शा को बंद करने वाले चाइनीज एप बैन

### केंद्र ने प्लेस्टोर से हटाने का दिया आदेश

**नई दिल्ली**

दिल्ली समेत कई शहरों में ई-रिक्शा चालकों के लिए परेशानी बने 3 एप को सरकार ने एप स्टोर से हटाने के आदेश दिए हैं। ये एप BAT-BMS, लॉसिजी और इपोच ली-आयन हैं। आईटी मंत्रालय ने इसकी जानकारी शुक्रवार को दी। हालांकि, ये एप प्ले स्टोर पर अब भी मौजूद हैं।

हाल ही में शिकायतें मिली थीं कि कुछ लोग इन एप से ब्लूटूथ के जरिए ई-रिक्शा की बैटरी को बंद कर चलते ई-रिक्शा को रोक देते थे। इससे चालकों को काफी परेशानी हो रही थी। इन घटनाओं के वीडियो भी वायरल हुए।

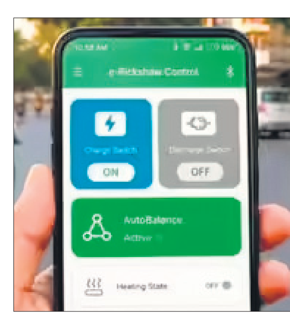

दरअसल, कुछ ई-रिक्शा की लीथियम बैटरियों का ब्लूटूथ मैनेजमेंट सिस्टम बिना पासवर्ड या कमजोर सुरक्षा के था, इसलिए एप उससे कनेक्ट हो गया। हालांकि, कारों के बैटरी सिस्टम में मजबूत सुरक्षा और एन्क्रिप्शन होता है, इसलिए कोई सामान्य एप उनसे कनेक्ट नहीं हो सकता।

'BAT-BMS' रियल टाइम बैटरी मैनेजमेंट टूल है। इसे चीनी कंपनी 'शेन्जेन ग्रेनर्जी टेक्नोलॉजी' ने डेवलप किया है। इसका मुख्य काम ब्लूटूथ-इनेबल्ड लीथियम बैटरी की निगरानी करना है। यह एप बैटरी की ओवरऑल जानकारियां डिस्प्ले करता है। यानी, यह बैटरी का डिजिटल डैशबोर्ड जैसा है।

ई-रिक्शा की बैटरी में चार्जिंग, टेमप्रेचर, वोल्टेज और उसकी हेल्थ पर नजर रखने के लिए ब्लूटूथ वाला बैटरी मैनेजमेंट सिस्टम लगाया जाता है। ड्राइवर या मैकेनिक BAT-BMS एप के जरिए इस सिस्टम से कनेक्ट हो जाते हैं और बैटरी की जानकारी देख सकते हैं। जरूरत पड़ने पर उसकी सेटिंग्स मैनेज कर सकते हैं। यह 10 से 15 मीटर के दायरे में कनेक्ट हो सकता है। बदमाश इसी का फायदा उठा रहे हैं।

## पटवारी और दलाल 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

**जैसलमेर।** भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) मुख्यालय के निर्देश पर जैसलमेर इकाई ने शुक्रवार को एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है. टीम ने पटवार हल्का अजासर में पदस्थापित पटवारी लखवीर यादव और एक प्राइवेट व्यक्ति (दलाल) जेठुसिंह को परिवादी से 50,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया है.

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि एसीबी जैसलमेर इकाई को एक शिकायत प्राप्त हुई थी. परिवादी ने शिकायत में बताया कि उसके पिता के खेत की पुनः तरमीन कर राजस्व रिकॉर्ड में इंद्राज करने और पैमाइश की मौका रिपोर्ट देने के एवज में पटवारी लखवीर यादव द्वारा अपने दलाल जेठुसिंह के माध्यम से 50,000 रुपए की रिश्वत राशि मांगकर परेशान किया जा रहा था. शिकायत मिलने के बाद भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जोधपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस नारायण टोगस के सुपरविजन में जाल बिछाया गया. एसीबी चौकी जैसलमेर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरपतचन्द के नेतृत्व में टीम ने योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप कार्रवाई को अंजाम दिया.

# हिमाचल में लैंडस्लाइड, गाड़ियां दबीं, क्षिप्रा नदी में बाढ़

**भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना**

हिमाचल प्रदेश के किन्नौर में गुरुवार रात भारी बारिश हुई। किन्नौर के चोलिंग में बारिश के बाद मलबा नेशनल हाईवे पर आ गया। दो गाड़ियां दब गई। राज्य में 49 सड़कें बंद हैं। इधर, यूपी में शुक्रवार सुबह 3 बजे लखनऊ, बाराबंकी, उन्नाव, जालौन समेत 5 शहरों में बारिश हुई। उन्नाव में पानी घरों में घुस गया। गुजरात के वलसाड में सड़कें पानी में डूब गईं, गाड़ियां चलते-चलते बंद हो गईं। जामनगर में दो बच्चे पानी में बह गए, स्थानीय लोगों ने उन्हें बचाया। मध्य प्रदेश में

मानसून 9 दिन में ही पूरे प्रदेश में छा गया। धार, बड़वानी, खरगोन और देवास में अगले 24 घंटे में 4 से 8 इंच तक बारिश का अनुमान है। क्षिप्रा नदी का जलस्तर बढ़ने से राम घाट के पास मंदिर डूब गए।

राजस्थान के जयपुर में 2 दिन से रुक-रुककर बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को भी कोटा, बारां और झालावाड़ के लिए तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है।

#### आधे राजस्थान में पहुंचा मानसून

**जयपुर।** राजस्थान में लेट आए मानसून ने दो दिन में 22 जिलों को कवर कर लिया। राजधानी जयपुर में गुरुवार देर रात तेज बारिश हुई। सवाई मानसिंह हॉस्पिटल के माइनर ओटी में पानी भर गया। यहां से मरीजों को दूसरी जगह शिफ्ट किया। वहीं ओटी के पास कॉरिडोर में फॉल सिलिंग गिर गई। चित्तौड़गढ़ जिले 12 घंटे में ढाई इंच तक पानी बरसा है। जिले के निंबाहेड़ा और कपासन में भारी बारिश से हालत बिगड़ गए हैं।

## राजस्थान में 20 से ज्यादा शहरों में एटीएस के छापे, एक गिरफ्तार

#### पाकिस्तानी आतंकी शहजाद भट्टी से कनेक्शन की आशंका

**जयपुर**

एंटी-टेररिज्म स्क्वॉड (एटीएस) की टीमों ने शुक्रवार सुबह राजस्थान के 20 से ज्यादा शहरों में छापेमारी की है। रेड पाकिस्तानी आतंकी शहजाद भट्टी से जुड़े लोगों को पकड़ने के लिए की गई है। छापेमारी में 28 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। बाड़मेर से एक युवक को भी गिरफ्तार किया गया है। एटीएस का दावा है कि भट्टी सोशल मीडिया प्लेटाफॉर्म के जरिए ऑनलाइन गेम, पैसों और गैंगस्टर ग्लैमर का लालच देकर युवाओं से दोस्ती करता है। फिर उनसे संवेदनशील जगहों की फोटो मंगवाता है। भट्टी के चंगुल में ज्यादातर भारत-पाकिस्तान सीमा से सटे जिलों के युवा फंस रहे हैं। जानकारी के अनुसार एटीएस ने राजधानी में भी अलग-अलग एरिया में छापेमारी की है। जयपुर से भी कई लोगों को हिरासत में लिया गया है। वहीं, बाड़मेर के गागरिया गांव से हिरासत में लिए गए बशीर (20) पुत्र आमद खान को हिरासत में लिया था।

## बच्चों की कहासुनी में खूनी संघर्ष, युवक की मौत

**धौलपुर।** धौलपुर जिले के मनियां थाना क्षेत्र के विपरपुर गांव में बच्चों के बीच हुई कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया। इस विवाद में 21 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। इस हमले का एक वीडियो भी सामने आया है। पुलिस के अनुसार दो परिवारों के बच्चे खेल रहे थे, जिनके बीच किसी बात पर कहासुनी हुई। यह मामूली विवाद जल्द ही बच्चों से बढ़कर उनके परिजनों तक पहुंच गया, जिसके बाद दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई। संघर्ष के दौरान लाठी-भाटा और धारदार हथियारों का इस्तेमाल किया गया।

# मुख्यमंत्री ने पचपदरा में रिफाइनरी का किया निरीक्षण

#### प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

### सभी व्यवस्थाएं हो निर्बाध एवं सुचारू, आयोजन को बनाएं ऐतिहासिकः मुख्यमंत्री

**बालोतरा/जयपुर**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को पचपदरा पहुंचकर एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी के उद्घाटन की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में शनिवार को प्रस्तावित कार्यक्रम के स्थल का अवलोकन कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और अधिकारियों को

आवश्यक निर्देश देकर तैयारियों को अंतिम रूप दिया।

मुख्यमंत्री ने रिफाइनरी के कंट्रोल रूम सहित विभिन्न यूनिट्स का निरीक्षण कर अधिकारियों की बैठक भी ली। उन्होंने बैठक में निर्देश दिए कि बारिश के मौसम को ध्यान में रखते हुए सभी व्यवस्थाएं निर्बाध एवं सुचारू रखी जाएं। उन्होंने कहा कि आमजन के लिए पेयजल, बैठने की व्यवस्था, चिकित्सा सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए तथा आयोजन को ऐतिहासिक बनाया जाए। उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए व्यवस्थाओं को पूरी तरह चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को पचपदरा में आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम से प्रदेश के सभी जिले वर्चुअल माध्यम से जुड़ेंगे। प्रदेशभर में आयोजित होने वाले इन कार्यक्रमों के माध्यम से लगभग 75 लाख लोग राजस्थान रिफाइनरी के उद्घाटन के ऐतिहासिक अवसर के साक्षी बनेंगे। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार (4 जुलाई) को बालोतरा के पचपदरा से भारत की प्रथम ग्रीनफील्ड एकीकृत रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स के साथ ही विभिन्न विकास कार्यों की सौगात देंगे।

इस दौरान केन्द्रीय संस्कृति तथा पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री के.के. विश्नोई, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, एचआरआरएल एवं जिला प्रशासन के अधिकारी उपस्थित रहे।

## गुजरात-एमपी से जैश-ए-मोहम्मद के 8 आतंकी पकड़े

**अहमदाबाद**

गुजरात एटीएस ने आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (JeM) से जुड़े आठ आतंकियों को गुजरात और मध्य प्रदेश से पकड़ा है। सभी को अलग अलग जिलों से पकड़ा गया है। इनमें से दो की उम्र 18 और 19 साल है।

ये सभी गुजरात में छुद्दरू का एक एक्टिव नेटवर्क बनाने के लिए काम कर रहे थे, ताकि आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम दिया सके। एटीएस ने इनसे पूछताछ शुरू कर दी है।

सूचना मिलने के बाद, एटीएस ने 5 अलग-अलग टीमें बनाकर एक बड़ा अभियान चलाया। एटीएस की टीमों ने गुजरात के बनासकांठा, मेहसाणा, नवसारी, पाटण और मध्य प्रदेश के देवास से 8 लोगों को गिरफ्तार किया।

जांच में पता चला है कि ये सभी गुजरात के ही रहने वाले हैं और एक पाकिस्तानी हैंडलर के इशारों पर काम कर रहे थे।

डीआईजी सुनील जोशी ने आगे बताया कि सभी सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान के अब्दुल्ला साहब नाम के एक हैंडलर के संपर्क में थे। हैंडलर के इशारे पर ही गुजरात में मजबूत नेटवर्क खड़ा करने कोशिशों में लगे हुए थे। इन्हें एक शख्स के जरिए 3 लाख रुपए भी मिले थे। ये गुजरात में पाटण के एक मदरसे में रह रहे थे। मदरसे से साहित्य और कुछ पर्चे भी जब्त किए गए हैं।

डीआईजी सुनील जोशी ने कहा- आरोपियों ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के लिए गुजरात में एक तंजीम नाम का संगठन बनाया था। वर्तमान में, तंजीम में 8 सदस्य शामिल हो चुके थे और अपने क्षेत्र में अन्य सदस्यों को शामिल करने के लिए उनका ब्रेनवॉश कर रहे थे।

## जम्मू-कश्मीर में बादल फटने और बाढ़ से जनजीवन अस्त-व्यस्त

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के दस्तक देते ही, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में अनेक स्थानों पर बादल फटने और अचानक बाढ़ की भयावह स्थिति उत्पन्न हुई है। डोडा, किश्तवाड़ और बांदीपोरा सहित छह स्थानों पर बादल फटने से कई गांवों का संपर्क टूट गया और सड़कें अवरुद्ध हो गईं। प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया, हालांकि अभी तक किसी जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर के निदेशक डॉ. मुख्तयार अहमद ने मॉनसून के सामान्य समय पर पहुंचने की पुष्टि की। इस आपदा के कारण किश्तवाड़ की मचैल और मिंधल यात्रा को फिलहाल स्थगित किया गया है, वहीं कटड़ा-सांझीछत हैलिकॉप्टर सेवा प्रभावित हुई। डोडा के कालजुगासर और सेरू तथा किश्तवाड़ के गहान और मचीपाल में बादल फटने से हुए भूस्खलन और मलबे ने बचाव कार्यों में बाधा डाली। गुरेज की तुलैल में जादीगे नाले के पास बादल फटने से किलशेय-जादीगे सड़क को भारी क्षति पहुंची और किशनगंगा नाले का जलस्तर तेजी से बढ़ गया। तहसीलदार ने क्षति के आकलन और सड़क की बहाली के लिए दल तैनात करने की बात कही है, साथ ही नाले के समीप रहने वाले लोगों को सतर्क कर दिया गया है। वहीं अनंतनाग में भी मूसलाधार वर्षा से गुरिदरमन गांव में अचानक बाढ़ आ गई, जिससे स्थानीय विद्यालय में मौजूद विद्यार्थियों को ग्रामीणों ने समय रहते सुरक्षित निकाल लिया। कारगिल में शाफत नाले की बाढ़ के कारण जंस्कार-कारगिल मार्ग पर मलबा आने से यातायात बंद हो गया, और जिला कठुआ का बनी-बसोहली मार्ग भी भूस्खलन के कारण पांच घंटे तक अवरुद्ध रहा।

## भारतीय नौसेना ने जहाज पर हमला किया नाकाम, समुद्री लुटेरे डर कर भागे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत आ रहे एक जहाज को लूटने की कोशिश को भारतीय नौसेना ने नाकाम कर दिया। जहाज पर बुधवार रात समुद्री लुटेरों का हमला हुआ था। बताया जा रहा है कि भारतीय नौसेना के मरीन कमांडो जहाज पर चढ़े। इस जहाज पर ही लुटेरों का हमला हुआ था। जहाज पर एक भारतीय क्रू मेंबर भी मौजूद था। यह जहाज भारत के लिए जरूरी सामान लेकर जा रहा था। जहाज के क्रू ने खुद को एक सुरक्षित कमरे में बंद कर लिया और कम्युनिकेशन चैनल के जरिए डकैती की कोशिश की जानकारी दी। जब भारतीय नौसेना का युद्धपोत उस जहाज की तरफ बढ़ा तो समुद्री लुटेरे डर कर भाग गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, जब भारतीय नौसेना ने अपना पराक्रम दिखाते हुए समुद्री लुटेरों से किसी जहाज को बचाया है। दो महीने पहले 26 मई को भी भारतीय नौसेना ने हिंद महासागर में एक मालवाहक जहाज को बचाया था। पश्चिमी हिंद महासागर में मालवाहक जहाज एमवी माशाअल्लाह-1 के पास समुद्री डाकुओं की गतिविधियां ट्रेक की गई थीं। इसके बाद तुरंत आईएनएस कोलकाता ने कार्रवाई करते हुए इस खतरे की जांच की और उसे रोक दिया था। समय पर की गई कार्रवाई से मालवाहक जहाज की सुरक्षा सुनिश्चित हुई और समुद्री डाकुओं के संभावित हमले को नाकाम कर दिया गया था। दरअसल, भारतीय नौसेना अदन की खाड़ी के आसपास में मिशन पर तैनात है। जब नौसेना के जहाज को एमवी माशाअल्लाह-1 के पास समुद्री लुटेरों की संदिग्ध गतिविधियों के बारे में जानकारी मिली तो उन्होंने तुरंत कार्रवाई की थी। साल 2008 से भारतीय नौसेना अदन की खाड़ी में समुद्री लुटेरों के खिलाफ लगातार अपनी तैनाती बनाए हुए है।

## खुले बोरवेल ने ली 4 साल के निरवैर की जान, 21 घंटे का रेस्क्यू ऑपरेशन नाकाम

अंबाला (एजेंसी)। अंबाला के धनयोड़ा गांव में एक दुखद घटना सामने आई है, जहां 4 साल के मासूम निरवैर सिंह की खुले बोरवेल में गिरने से मौत हो गई। करीब 21 घंटे तक चले अथक बचाव अभियान के बावजूद, बच्चे को बचाया नहीं जा सका। उसके शव को बोरवेल से बाहर निकाला गया और बाद में गमगीन माहौल में उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। यह दर्दनाक हादसा मंगलवार हुआ था, जब खेलते समय निरवैर अचानक खुले पड़े बोरवेल में जा गिरा। सूचना मिलते ही प्रशासन और बचाव दल मौके पर पहुंचे और बच्चे को सुरक्षित निकालने के लिए लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। लेकिन जब उसे बाहर निकाला गया, तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं। इस दर्दनाक हादसे के बाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खेत मालिक और दो ठेकेदारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। परिजनों का आरोप है कि पुराना बोरवेल खुला और बिना किसी चेतावनी बोर्ड के छोड़ दिया गया था, जिसकी बड़ी लापरवाही के चलते निरवैर की जान चली गई। एसपी अंबाला अजित सिंह शेखावत ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता की धारा 106 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। बच्चे का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया है और आगे की जांच जारी है।

## पत्थर खदान में चट्टान गिरने से 9 मजदूरों की मौत

### -बिहार और असम के थे मृतक, घायलों को अस्पताल में किया भर्ती

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के दक्षिण तालुक के मडापट्टना इलाके में गुरुवार सुबह एक पत्थर की खदान में बड़ा हादसा हो गया। खदान में काम के दौरान अचानक भारी चट्टान गिरने से नौ मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य मजदूर घायल हो गए। पुलिस और राहत दल ने तत्काल बचाव अभियान शुरू कर घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस के अनुसार, हादसे के समय मजदूर खदान में पत्थर तोड़ने का काम कर रहे थे। इसी दौरान करीब 40 फुट ऊंचाई से एक विशाल चट्टान उनके ऊपर आ गिरी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, उस समय खदान में लगभग 18 मजदूर काम कर रहे थे और चट्टान इतनी तेजी से गिरी कि उसके नीचे दबे मजदूरों को संभलने का मौका नहीं मिला। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृतक मजदूर बिहार और असम के रहने वाले थे तथा दैनिक मजदूरी पर कार्यरत थे। हादसे में घायल हुए मजदूरों को पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि, घायलों की आधिकारिक संख्या अभी स्पष्ट नहीं की गई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल और बचाव दल मौके पर पहुंच गए। पूरे क्षेत्र को घेरकर मलबा हटाने का काम जारी है। अधिकारियों को आशंका है कि कहीं और मजदूर मलबे के नीचे दबे न हों, इसलिए तलाशी अभियान भी चलाया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पुलिस ने मृतकों की पहचान की प्रक्रिया शुरू कर दी है और उनके परिजनों को सूचना दी जा रही है। साथ ही यह जांच भी की जा रही है कि हादसा प्राकृतिक कारणों से हुआ या खदान में सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई थी।

# सीएम विजय ने किया खेला: एआईएडीएमके के 100 नेता टीवीके में शामिल होंगे

**चैन्नई (एजेंसी)।** तमिलनाडु में सियासी हलचल अपने चरम पर है, जहाँ मुख्यमंत्री सी. विजय जोसेफ के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) पार्टी एक बड़ा विस्तार करने जा रही है। ऐसी खबरें हैं कि राज्य के प्रमुख दल एआईएडीएमके के लगभग सौ बड़े नेता टीवीके में शामिल होने को तैयार हैं, जिसे टीवीके के लिए एक अहम पड़ाव माना जा रहा है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हो रहा है जब एआईएडीएमके में आंतरिक कलह की खबरें जोरों पर हैं, और पूर्व मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन लगातार विधानसभा चुनाव जल्द होने का दावा कर रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने बताया है कि करीब 15 पूर्व विधायक, 5 पूर्व मंत्री और सैकड़ों पार्टी कैडर गुरुवार को ममल्लापुरम के एक रिसॉर्ट में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में टीवीके का दामन थाम सकते हैं। इन नेताओं में पूर्व मंत्री सी. विजयभास्कर, एम.आर. विजयभास्कर, एम.एस.एम. आनंदन, एस. वलारमति और पूर्व

केंद्रीय मंत्री एम.के. अलागिरि की बेटी कायलविझि जैसे बड़े नाम शामिल हैं। इसके अलावा, करूर और पुडुकोट्टई जिलों से भी कई पूर्व नेता और जिला स्तरीय पदाधिकारी टीवीके में शामिल हो सकते हैं। यह कोई पहली बार नहीं है जब एआईएडीएमके के बड़े नेता टीवीके में आ रहे हैं; इससे पहले भी चार पूर्व मंत्री, जिनमें एमसी संपत, एन.आर. शिवपति, कादंबूर सी. राजू और उदुमलाई के. राधाकृष्णन शामिल हैं, टीवीके में शामिल हो चुके हैं।

इस बीच, टीवीके ने डीएमके पर अपने विधायकों को लुभाने और खरीदने की कोशिश करने का गंभीर आरोप भी लगाया है। तमिलनाडु के मंत्री और टीवीके नेता आर. निर्मल कुमार ने दावा किया कि डीएमके नेतृत्व, जिसमें एम.के. स्टालिन और उदयनिधि शामिल हैं, ने सेंथिल बालाजी जैसे लोगों के इशारे पर टीवीके के कई विधायकों से संपर्क किया और उन्हें 10 करोड़ से 50 करोड़ रुपये तक की पेशकश की। उन्होंने बताया कि इस संबंध में पुलिस ने कृष्णगिरि जिले के उथंगराई विधानसभा क्षेत्र से टीवीके विधायक एन. इलैयाराजा से संपर्क करने के आरोप में नरेश नामक व्यक्ति समेत तीन लोगों को गिरफ्तार भी किया है। पुलिस के अनुसार, विधायक को विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ प्रस्ताव में उनके सहयोग के बदले 35 करोड़ रुपये का प्रलोभन दिया गया था। कुमार ने आरोप लगाया कि पिछले लगभग 40 दिनों से डीएमके और एआईएडीएमके के शीर्ष नेता अनुचित तरीके से सरकार बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इन सभी घटनाक्रमों से तमिलनाडु की राजनीति में एक बड़ा बदलाव आने की उम्मीद है।

## अमन की आशा पहल पर प्रियंका चतुर्वेदी ने दागे सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच संवाद बहाल करने की मांग को लेकर लिखे गए संयुक्त पत्र पर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की नेता एवं पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने पाकिस्तान के साथ बातचीत की वकालत करने वालों पर सवाल उठाते हुए कहा कि बार-बार उसी विचार को आगे बढ़ाया जा रहा है, जिसे अधिकांश भारतीय पहले ही खारिज कर चुके हैं। प्रियंका चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया पर कहा कि अमन की आशा पहल का समर्थन करने वाले लोगों को यह बताना चाहिए कि वे पाकिस्तान से बातचीत के बेकार विचार को लगातार क्यों दोहरा रहे हैं। उन्होंने पूछा, क्या आपने पिछली कोशिशों से कोई सबक नहीं सीखा? क्या आप 26/11 मुंबई आतंकी हमले और 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले को भूल गए हैं? दरअसल, एक दिन पहले भारत और पाकिस्तान के 100 से अधिक प्रतिष्ठित नागरिकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को संयुक्त पत्र लिखकर दोनों देशों के बीच शांति, सामान्य कूटनीतिक संबंध और संवाद प्रक्रिया बहाल करने की अपील की थी। पत्र में नई दिल्ली और इस्लामाबाद में उच्चायुक्तों की नियुक्ति, सामान्य वीजा सेवाएं फिर से शुरू करने और दोनों देशों के बीच एयरस्पेस खोलने जैसी मांगें भी शामिल थीं। इस पहल पर हस्ताक्षर करने वालों में नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की महबूबा मुफ्ती, राष्ट्रीय जनता दल के सांसद मनोज झा, पूर्व रॉ प्रमुख ए.एस. दुलत, पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर, पूर्व सांसद जवाहर सरकार, मीरवाइज उमर फारूक, प्रो. अपूर्वानंद, संदीप पांडेय, मोहम्मद यूसुफ तारिगामी, रीता मंचंदा और अन्य प्रमुख हस्तियां शामिल हैं।

## मप्र भाजपा में 'चिट्ठी बम' से हड़कंप; विजयवर्गीय के कथित पत्र से सियासी पारा चढ़ा

**– इंदौर के विकास, प्रशासनिक अनदेखी और विभागीय असहयोग पर उठे सवाल, विपक्ष ने साधा निशाना**

**इंदौर (एजेंसी)।** मध्य प्रदेश की सियासत में बुधवार को उस समय तेज हलचल मच गई जब नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का मुख्यमंत्री मोहन यादव को लिखा एक कथित पत्र सामने आने की चर्चा ने राजनीतिक गलियारों में गर्मी बढ़ा दी। इस पत्र को लेकर सत्ताधारी भाजपा के भीतर असंतोष और प्रशासनिक खींचतान की चर्चाएं तेज हो गई हैं।

सूत्रों के अनुसार, 20 जून की तारीख वाले इस कथित पत्र में इंदौर के विकास कार्यों, विशेषकर मास्टर प्लान में देरी, मेट्रोपॉलिटन रीजन में इंदौर की स्थिति तथा नगरीय विकास विभाग के कामकाज को लेकर गंभीर आपत्तियां जताई गई हैं। पत्र में यह भी उल्लेख है कि पिछले ढाई वर्षों से उन्हें लगातार ÷असहयोग, उपेक्षा और विरोध÷ का सामना करना पड़ रहा है।

कथित पत्र में यह आरोप भी लगाए गए हैं कि विभागीय स्तर पर महत्वपूर्ण तबादलों और निर्णयों में मंत्री की सहमति या जानकारी को दरकिनार किया जा रहा है। साथ ही, इंदौर से जुड़े विकास प्रकरणों पर अपेक्षित गति नहीं मिलने पर असंतोष जताया गया है।

बताया जा रहा है कि पत्र के अंत में चेतावनी भरे अंदाज में यह भी कहा गया है कि यदि शहर के विकास से जुड़े मुद्दों का समाधान

शीघ्र नहीं हुआ तो वे जनता के बीच जाकर अपनी बात रखने को मजबूर होंगे।

हालांकि, इस पूरे मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कैलाश विजयवर्गीय ने मीडिया के सवालों को टालते हुए कहा कि उन्हें इस पत्र की जानकारी नहीं है और इसकी वास्तविकता के लिए अखबारों से पूछा जाना चाहिए। उनके इस बयान के बाद मामला और अधिक उलझ गया है।

उधर, विपक्षी कांग्रेस ने इस घटनाक्रम को भाजपा के भीतर गहरे मतभेद और आंतरिक शक्ति-संघर्ष का संकेत बताया है। कांग्रेस नेताओं में दिग्विजय सिंह और उमंग सिंघार सहित अन्य नेताओं ने इसे लेकर सोशल मीडिया पर तंज कसे हैं।

कांग्रेस का कहना है कि यह स्थिति सरकार के भीतर समन्वय की कमी और प्रशासनिक निर्णयों में टकराव को दर्शाती है, जिसका असर राज्य के विकास कार्यों पर पड़ सकता है।

फिलहाल, कथित पत्र की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यह मामला राजनीतिक हलकों में चर्चा का प्रमुख विषय बना हुआ है।

# महाराष्ट्र में ऑपरेशन टाइगर की पड़ताल: शिंदे का लक्ष्य बहुमत या फडणवीस?

**मुंबई (एजेंसी)।** महाराष्ट्र की राजनीति एक बार फिर दल-बदल और आंतरिक सत्ता संघर्ष के चरम पर है। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) को लगातार झटके लग रहे हैं। लोकसभा के छह सांसदों के पाला बदलने के ठीक एक हफ्ते बाद, उद्धव सेना के वरिष्ठ नेता और विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) सचिन अहीर ने भी पाला बदल लिया है। बुधवार को उन्हें सत्तारूढ़ शिवसेना यानी एकनाथ शिंदे गुट के उम्मीदवार के रूप में निर्विरोध विधान परिषद का उपसभापति चुना गया। आदित्य ठाकरे के बेहद करीबी माने जाने वाले सचिन अहीर का यह कदम उद्धव गुट के लिए एक बड़ा मनोवैज्ञानिक झटका है, जिसने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की राजनीतिक ताकत को और मजबूत कर दिया है। राजनीतिक गलियारों में उद्धव सेना के सांसदों और नेताओं के इस सामूहिक दल-बदल को ऑपरेशन टाइगर का नाम दिया जा रहा है। इस ऑपरेशन के जरिए शिंदे न केवल राज्य की राजनीति में, बल्कि केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन के भीतर भी खुद को एक अपरिहार्य नेता के रूप में

स्थापित करने में सफल रहे हैं।

महाराष्ट्र के राजनीतिक विश्लेषकों और अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, इस ऑपरेशन टाइगर के पीछे मुख्य रूप से दो बड़े कारण माने जा रहे हैं। पहला कारण संसद में दो-तिहाई बहुमत की रणनीति है। कहा जा रहा है कि इस ऑपरेशन को भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व की हरी झंडी मिली है, क्योंकि केंद्र सरकार को आने वाले समय में परिसीमन, एक राष्ट्र, एक चुनाव और महिला आरक्षण जैसे कुछ बेहद महत्वपूर्ण संवैधानिक संशोधन विधेयकों को संसद में पारित कराना है, जिसके लिए लोकसभा और राज्यसभा में दो-तिहाई बहुमत की आवश्यकता होगी। शिंदे की यह मुहिम इस बहुमत को जुटाने में मददगार साबित हो रही है। दूसरा कारण एकनाथ शिंदे की अपनी महत्वाकांक्षा है। साल 2024 के विधानसभा चुनावों में भाजपा को 132 सीटें मिली थीं, जबकि शिंदे की शिवसेना को 57 और एनसीपी (अजीत पवार) को 41 सीटें मिलीं, जिसके कारण मुख्यमंत्री पद देवेंद्र फडणवीस के पास चला गया और शिंदे को उपमुख्यमंत्री पद से संतोष करना पड़ा। शिंदे गुट का मानना है कि महायुति की चुनावी जीत उनकी सरकार की लाडकी बहिन योजना के कारण हुई थी, इसलिए सीएम पद न मिलने से शिंदे काफी समय से असहज थे। अब वे भाजपा के केंद्रीय आलाकमान के पसंदीदा नेताओं की सूची में आकर 2029 के चुनावों के लिए फिर से शीर्ष पद पर अपनी दावेदारी मजबूत कर रहे हैं।

इस पूरे घटनाक्रम का एक और दिलचस्प पहलू महायुति गठबंधन के भीतर का आंतरिक सत्ता संघर्ष है। गठबंधन के ही कुछ अंदरूनी सूत्रों का मानना है कि शिंदे के राजनीतिक कद को जानबूझकर बढ़ावा देना एक रणनीतिक चाल भी हो सकती है, ताकि 2029 के लोकसभा और विधानसभा चुनावों से पहले मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बढ़ते प्रभाव को नियंत्रित रखा जा सके।

## राम मंदिर दान चोरी : चंपत राय लापरवाह हैं तो एक्शन होगा : आलोक कुमार

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या के राम मंदिर में हुई दान चोरी की घटना ने दुनियाभर के हिंदुओं की भावनाओं को आहत किया है। इस मामले में एसआईटी जांच के बाद राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव पद से इस्तीफा देने वाले चंपत राय पर विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) की संभावित कार्रवाई को लेकर वीएचपी के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने एक साक्षात्कार में स्वीकार किया कि चंपत राय लापरवाही के दोषी हो सकते हैं, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि परिषद उनके खिलाफ किसी भी तरह की कार्रवाई पर विचार करने से पहले एसआईटी जांच के नतीजों का इंतजार करेगी। इसके बाद मछली बड़ी हो या छोटी सभी पर एक्शन होगा। आलोक कुमार ने यह भी साफ किया कि राम मंदिर में हुई दान चोरी के लिए विश्व हिंदू परिषद सीधे तौर पर जवाबदेह नहीं है। उन्होंने बताया कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के दिन ही उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया था कि वीएचपी का काम अब खत्म हो गया है और मंदिर का निर्माण तथा उसका संचालन करना उनका काम नहीं है। उन्होंने इस चोरी को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि इस घटना का बचाव करने या कोई बहाना बनाने का सवाल ही नहीं उठता, और परिषद चाहती है कि पुलिस तथा एसआईटी सभी कोणों से इसकी गहन जांच करे। चंपत राय वीएचपी के अंतरराष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी हैं, लेकिन आलोक कुमार ने कहा कि वीएचपी ने उन्हें ट्रस्ट के महासचिव पद के लिए नामित नहीं किया था और वह वहां वीएचपी का प्रतिनिधित्व नहीं करते। उन्होंने आरोप लगाया कि अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखकर इस मामले में वीएचपी, आरएसएस और प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को निशाना बनाया जा रहा है। कुमार ने यह भी बताया कि अभी तक चंपत राय पर सीधे तौर पर कोई आरोप नहीं लगे हैं, बल्कि आरोप उनके ड्राइवर पर हैं, जिसके पास स्ट्रॉन्ग रूम की चाबियां थीं।

# शांति के लिए दुश्मनों से भी बातचीत जरूरी: पूर्व रॉ प्रमुख दुलत

**भारत-पाक संवाद बहाल करने की अपील का समर्थन, बोले- युद्ध नहीं, कूटनीति ही स्थायी समाधान का रास्ता**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से ठप पड़े संवाद को फिर से शुरू करने की मांग के बीच रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के पूर्व प्रमुख अमरजीत सिंह दुलत ने कहा है कि शांति स्थापित करने के लिए बातचीत आवश्यक है और कूटनीति का मूल सिद्धांत यही है कि बातचीत दुश्मनों से की जाती है, क्योंकि दोस्त तो पहले से ही साथ होते हैं।

भारत और पाकिस्तान के 100 से अधिक प्रमुख नागरिकों द्वारा दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों को लिखे गए संयुक्त पत्र का समर्थन करते हुए दुलत ने कहा कि कूटनीति और शांति स्थापना के लिए संवाद हमेशा जरूरी होता है। उन्होंने स्वीकार किया कि कश्मीर में आतंकवाद और हालिया पहलगाम हमले में पाकिस्तान की भूमिका को लेकर कोई संदेह नहीं है, लेकिन इसके बावजूद बातचीत बंद रखना बेहतर

विकल्प नहीं हो सकता।

एक बातचीत के दौरान दुलत ने कहा, शांति कायम करने के लिए सबसे पहले अपने दुश्मनों से ही बात की जाती है। बातचीत सफल होगी या नहीं, यह समय बताएगा, लेकिन संवाद का रास्ता बंद कर देना समाधान नहीं है। उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का उल्लेख करते हुए कहा कि यदि मित्र देशों के नेताओं के साथ संवाद संभव है तो पड़ोसी देशों के बीच भी बातचीत की संभावनाएं तलाशनी चाहिए। उन्होंने पूर्व पाकिस्तानी प्रधानमंत्री नवाज शरीफ का जिक्र करते हुए कहा कि वे हमेशा भारत-पाक शांति के समर्थक रहे हैं। दुलत ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की लाहौर यात्रा और उनका प्रसिद्ध संदेश हम जंग नहीं होने देंगे भी याद किया।

पूर्व रॉ प्रमुख ने कहा कि चाहे अटल बिहारी वाजपेयी का कार्यकाल हो, डॉ. मनमोहन सिंह का दौर या वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दृष्टिकोण, सभी ने अलग-अलग अवसरों पर यह स्पष्ट किया है कि युद्ध किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। उनके अनुसार, दोनों देशों के बीच तनाव कम करने और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए कूटनीतिक संवाद ही सबसे प्रभावी माध्यम है।

# इसरो के सैटेलाइट ने भेजी मॉनसून की तस्वीरें, देखकर टेंशन हुई खत्म

**-1500 किलोमीटर लंबी बारिश वाले बादलों की पट्टी दिखी, खूब बरसेगा पानी**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन (इसरो) के सैटेलाइट ने मॉनसून की काफी सुखद तस्वीरें दिखाई हैं। इन्हें देखकर पिछले कुछ दिनों से चली आ रही सबसे बड़ी टेंशन दूर हो जाएगी। सैटेलाइट की तस्वीरों ने मॉनसून की जबर्दस्त वापसी दिखाई है, ऐसे में 125 साल में 5वें सबसे ज्यादा सूखे रहे जून की भरपाई होने की संभावना है। इसरो ने बुधवार को सैटेलाइट से ली गई तस्वीरें जारी की हैं। इनमें साफ दिख रहा है कि अब उत्तर भारत में मानसून के घने बादल बहुत तेजी से फैल रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक जुलाई की शुरुआत में अब मानसून जोर पकड़ रहा है

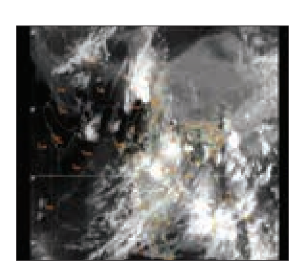

और आने वाले दिनों में अच्छी बारिश हो सकती है। इसरो की सैटेलाइट की इंफ्रारेड तस्वीरों में साफ दिख रहा है कि मध्य भारत से लेकर उत्तर भारत के मैदानी इलाकों तक घने बादल छाए हुए हैं। बंगाल की खाड़ी से मौसम के बड़े बदलाव आ रहे हैं जिससे मानसून एकाएक सक्रिय हो गया है। इसके अलावा देखा भी जा रहा है कि इन बादलों की वजह से उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में अच्छी बारिश हो रही है। 2 जुलाई को दिल्ली समेत आसपास के इलाकों में भी बारिश की शुरुआत हो गई।

सैटेलाइट तस्वीरों में इस हफ्ते करीब 1500 किलोमीटर लंबी लगातार बारिश वाली बादलों की पट्टी दिखी जो पश्चिम बंगाल से लेकर जम्मू-कश्मीर तक फैली हुई थी। यह बताता है कि बादल बिखरे हुए नहीं हैं, बल्कि एक लंबी कतार में जुड़े हैं और अगर एक बार मॉनूसन की बारिश शुरू होती है तो फिर वह छिटपुट नहीं होगी बल्कि लगातार और मूसलाधार होगी। इसका फायदा जमीन, खेत, किसान और मौसम को होगा। गर्मी से राहत मिलेगी और सूखे की आशंकाओं पर भी विराम लगेगा। लिहाजा अब अल नीनो के असर से घबराने की जरूरत नहीं है। इन तस्वीरों से साफ है कि मौसम अब राहत देने के मूड में है और जुलाई में जून की भरपाई हो सकती है।

# अमरनाथ यात्रा शुरु, जम्मू-कश्मीर एलजी ने हरी झंडी दिखाकर पहले जत्थे को किया रवाना

**-बम-बम भोले के जयघोष के बीच श्रद्धालुओं में उत्साह, प्रशासन ने किए सुरक्षा इंतजाम**

**जम्मू (एजेंसी)।** बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए बहुप्रतीक्षित श्री अमरनाथ यात्रा 2026 का गुरुवार को विधिवत शुभारंभ हुआ। जम्मू के भगवती नगर स्थित यात्री निवास बेस कैंप से जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने श्रद्धालुओं के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष के बीच श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच तीर्थयात्रियों का काफिला बालटाल और पहलगाम बेस कैंप के लिए रवाना हुआ।

यात्रा के पहले दिन भगवती नगर बेस कैंप में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। प्रशासन की ओर से यात्रियों के पंजीकरण, स्वास्थ्य जांच और अन्य औपचारिकताएं पूरी कर उन्हें निर्धारित वाहनों से उनके गंतव्य की ओर भेजा गया। सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी में पूरे काफिले की आवाजाही सुनिश्चित की गई। इस साल यह यात्रा 57 दिनों तक चलेगी। श्रद्धालु समुद्र तल से करीब 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र अमरनाथ गुफा तक दो मार्गों से पहुंचेंगे। इनमें अनंतनाग जिले का पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबा नुनवान-पहलगाम मार्ग और गांदरबल जिले का 14 किलोमीटर लंबा, लेकिन अधिक खड़ी चढ़ाई वाला बालटाल मार्ग शामिल है। दोनों मार्गों से यात्रा एक साथ संचालित की जाएगी।

यात्रा को लेकर जम्मू रेलवे डिवीजन ने भी तैयारियां की हैं। रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए अतिरिक्त इंतजाम किए हैं। भीड़ प्रबंधन, टिकट जांच, सुरक्षा निगरानी और जरूरी सेवाओं को लेकर विशेष योजना लागू की गई है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। जम्मू के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक उचित सिंघल ने बताया कि अमरनाथ यात्रा जम्मू-कश्मीर ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए अहम धार्मिक आयोजन है। इसे देखते हुए रेलवे ने सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और यात्री सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।

उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं के लिए रेलवे स्टेशन और अन्य प्रमुख स्थानों पर पेयजल, भोजन, विश्राम और सहायता केंद्र जैसी जरुरी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। यात्रियों को सही जानकारी और मार्गदर्शन देने के लिए हेल्प डेस्क भी स्थापित किए गए हैं। प्रशासन ने यात्रा मार्ग पर भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है और पूरे मार्ग पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। स्वास्थ्य सेवाओं, आपदा प्रबंधन और आपातकालीन सहायता के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है। प्रशासन को उम्मीद है कि इस साल भी यात्रा शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न होगी।

# रायपुर थाने के कांस्टेबल पर मारपीट का आरोप, पीड़ित परिवार ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार, पुलिस कर्मी के खिलाफ कार्रवाई की मांग

स्मार्ट हलचल|पुनित चपलोत

**भीलवाड़ा।** जिले के रायपुर थाना क्षेत्र के लड़की गांव में जमीन विवाद ने तूल पकड़ लिया है। पीड़ित परिवार ने पुलिस पर पक्षपात और थाने में मारपीट करने के गंभीर आरोप लगाते हुए शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक सागर राणा को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की। राजपूत समाज के प्रतिनिधियों के साथ पहुंचे परिवार ने रायपुर थाने में तैनात कांस्टेबल गोरखाराम के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर निलंबन की मांग भी उठाई।

पीड़ित राजू सिंह ने बताया कि लड़की गांव में उनके पड़ोसी भैरू रावल से लंबे समय से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। आरोप है कि 30 जून को भैरू रावल उनके बाड़े में घुस आया और पपीते व अमरूद के पेड़ काट दिए। विरोध करने पर उनकी माता के साथ अभद्रता की गई तथा कुल्हाड़ी दिखाकर जान से मारने की धमकी दी गई। इसकी शिकायत रायपुर थाने में देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई।

परिवार का आरोप है कि शिकायत के बाद मौके पर पहुंचे कांस्टेबल गोरखाराम ने कार्रवाई करने के बजाय पहले आरोपी पक्ष से बातचीत की। बाद में दोनों पक्षों की महिलाओं के बीच कहासुनी हुई, जिसका वह वीडियो बनाता रहा, लेकिन विवाद रोकने या उचित कार्रवाई करने का प्रयास नहीं किया। पीड़ित परिवार के अनुसार, 1 जुलाई की रात कांस्टेबल गोरखाराम और अन्य पुलिसकर्मी बयान लेने के बहाने राजू सिंह के भाई गोटू सिंह को रायपुर थाने ले गए, जहां रातभर उसके साथ मारपीट की गई और बिना किसी अपराध के थाने में बैठाए रखा गया। अगले दिन जमानत पर रिहा होने के बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। पहले उसे रायपुर अस्पताल ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद महात्मा गांधी अस्पताल, भीलवाड़ा रेफर कर दिया गया। वर्तमान में उसका उपचार जारी है।

परिवार ने आरोप लगाया कि पुलिस आरोपी पक्ष को संरक्षण दे रही है और भैरू रावल उनके बाड़े के पास स्थित गली पर कब्जा करना चाहता है। ज्ञापन में कांस्टेबल गोरखाराम एवं अन्य संबंधित पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर निलंबित करने तथा पूरे मामले की निष्पक्ष विभागीय जांच कराने की मांग की गई है।

समाजसेवी बबलू ठूमिया ने बताया कि लडक़ी गाँव निवासी पीड़ित राजू सिंह के परिवार का पड़ोसी भेरू रावल ने घर के पीछे बनी गैलरी में लगे पौधे काट दिए, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गया। बाद में रायपुर थाने में पदस्थापित कांस्टेबल गोरखाराम, जो अक्सर भेरू रावल के घर आता-जाता है गोरखाराम ने परिवार के सदस्य गोटू सिंह को बातचीत के बहाने बुलाया और फिर उसे रायपुर थाने ले जाकर बंद कर दिया। गोटू सिंह के साथ थाने में मारपीट की गई। परिजनों का कहना है कि जब वे थाने पहुंचे तो उन्हें उसकी मौजूदगी की जानकारी नहीं दी गई। अगले दिन शांति भंग की आशंका में कार्रवाई के तहत जमानत मिलने के बाद उसकी तबीयत बिगड़ने पर पहले रायपुर अस्पताल और फिर महात्मा गांधी अस्पताल, भीलवाड़ा रेफर किया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। मामले को लेकर राजपूत समाज में आक्रोश है। समाज की ओर से पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर कांस्टेबल गोरखाराम के खिलाफ निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई व पड़ोसी भेरू रावल के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की गई है। यदि निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हुई तो समाज आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा।

# बनास नदी पर निर्माणाधीन पुल की गुणवत्ता पर उठे सवाल, जनता ने मांगा उच्चस्तरीय तकनीकी निरीक्षण

स्मार्ट हलचल

**आकोला।** आकोला निकटवर्ती बनास नदी पर निर्माणाधीन पुल का कार्य इन दिनों तेजी से जारी है, लेकिन निर्माण की गुणवत्ता को लेकर स्थानीय लोगों में गंभीर सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि करोड़ों रुपये की लागत से बनने वाले इस महत्वपूर्ण पुल में आखिर किस ग्रेड का सरिया, कौन-सा ब्रांड और ग्रेड का सीमेंट, किस गुणवत्ता की निर्माण सामग्री तथा स्वीकृत डिजाइन के अनुसार कितनी मात्रा में सामग्री का उपयोग किया जाना है और वास्तविक रूप से कितना उपयोग हो रहा है, इसकी जानकारी सार्वजनिक नहीं है। यदि नियमानुसार परियोजना संबंधी सूचना बोर्ड लगाया जाना आवश्यक है तो उसे तत्काल लगाया जाए, ताकि परियोजना लागत, निर्माण एजेंसी, कार्य अवधि, तकनीकी विवरण और गुणवत्ता संबंधी जानकारी आमजन के सामने आ सके।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि मौके पर सरिए की मात्रा अपेक्षा से कम दिखाई दे रही है, जिससे पुल की मजबूती और उसकी दीर्घकालिक सुरक्षा को लेकर आशंकाएं पैदा हो रही हैं। हालांकि इन दावों की पुष्टि केवल सक्षम तकनीकी जांच के बाद ही संभव है। लोगों का कहना है कि निर्माण कार्य में किस व्यास का सरिया, कितनी लेयर, किस ग्रेड का कंक्रीट और कौन-सा सीमेंट उपयोग में लिया जा रहा है, इसकी पारदर्शी जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिए।

ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण कार्य शुरू होने के बाद अब तक पीडब्ल्यूडी के वरिष्ठ अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से निरीक्षण नहीं किया। ऐसे में जनता ने मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता एवं अधिशासी अभियंता से मांग की है कि वे तत्काल मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य का तकनीकी निरीक्षण करें, उपयोग की जा रही सामग्री की गुणवत्ता और मात्रा की जांच करवाएं तथा पूरी रिपोर्ट सार्वजनिक करें। आखिर करोड़ों रुपये की इस जनहित परियोजना में गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी कौन निभाएगा? अब पूरे क्षेत्र की नजर पीडब्ल्यूडी विभाग की कार्रवाई पर टिकी हुई है।

# बारिश में डूबा अंडरपास, स्कूली बच्चों के साथ सड़क पर उतरे कॉलोनीवासी; नई पुलिया की मांग को लेकर प्रदर्शन

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** शहर के वार्ड संख्या 66 स्थित मारुति नगर कॉलोनी के पास बायोस्कोप के सामने बने रेलवे अंडरपास में बारिश का पानी भर जाने से शुक्रवार को स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। कॉलोनीवासियों ने स्कूली बच्चों के साथ अंडरपास के निकट प्रदर्शन कर प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने अंडरपास से पानी की निकासी की व्यवस्था करने और स्थायी समाधान के रूप में नई पुलिया का निर्माण कराने की मांग की।

स्थानीय लोगों का कहना है कि हर वर्ष बारिश के दौरान अंडरपास पूरी तरह जलमग्न हो जाता है, जिससे कॉलोनी का संपर्क प्रभावित हो जाता है। मजबूरी में लोगों को जान जोखिम में डालकर रेलवे ट्रैक पार करना पड़ता है, जबकि स्कूली बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ती है।

स्थानीय निवासी जुगल किशोर ने बताया कि अंडरपास में हर साल पानी भरने से लोगों का आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाता है। कई बार घंटों तक रास्ता बंद रहता है। उन्होंने मांग की कि यहां बड़ी पुलिया का निर्माण कराया जाए, ताकि बरसात के दौरान पानी जमा न हो और लोगों को सुरक्षित आवागमन मिल सके।

स्थानीय महिला संतोष उपाध्याय ने कहा कि बारिश के मौसम में अंडरपास पूरी तरह पानी से भर जाता है। यदि किसी की तबीयत खराब हो जाए या कोई आपात स्थिति हो तो लोगों को मजबूरन रेलवे लाइन पार करनी पड़ती है, जिससे हर समय हादसे का खतरा बना रहता है। अन्य रास्तों से जाने पर लंबा चक्कर लगाना पड़ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्षों से शिकायतें करने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ है। प्रदर्शनकारियों ने जिला प्रशासन से अंडरपास की जल निकासी की प्रभावी व्यवस्था करने, नई पुलिया का निर्माण कराने और बरसात के दौरान लोगों को सुरक्षित आवागमन उपलब्ध कराने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

# बिजली के खंभे में दौड़ा करंट, तीन गौवंश झुलसे

## लोगों का फूटा गुस्सा, सिक्योर कंपनी पर लगाया लापरवाही का आरोप

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** शहर की संजय कॉलोनी में शुक्रवार सुबह बिजली के खंभे में करंट दौड़ने से तीन गौवंश उसकी चपेट में आकर झुलस गए। घटना के बाद क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए एक तड़पती गाय को सुरक्षित बाहर निकाला। हादसे के बाद क्षेत्रवासियों में बिजली व्यवस्था संभाल रही सिक्योर कंपनी के खिलाफ भारी आक्रोश देखने को मिला।

पूर्व पार्षद सागर पांडे ने आरोप लगाया कि घटना की सूचना तत्काल सिक्योर कंपनी को दे दी गई थी, लेकिन कंपनी की टीम करीब सवा से डेढ़ घंटे बाद मौके पर पहुंची। उनका कहना है कि मौके पर पहुंचे अधिकारियों ने भी समस्या के समाधान को लेकर संतोषजनक जवाब नहीं दिया।

पांडे ने कहा कि शहर में सिक्योर कंपनी के जिम्मेदारी संभालने के बाद विद्युत व्यवस्था लगातार बिगड़ती जा रही है। संजय कॉलोनी में बिजली के खंभों में करंट दौड़ने की यह चौथी घटना है, जिससे क्षेत्रवासियों में डर और नाराजगी का माहौल है।

स्थानीय लोगों ने प्रशासन और बिजली कंपनी से मांग की है कि क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था का स्थायी समाधान किया जाए, ताकि भविष्य में इस तरह के हादसों की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो क्षेत्रवासी सिक्योर कंपनी का घेराव कर उग्र आंदोलन करेंगे।

# एमनेस्टी योजना के तहत ट्रैक्टर और दुपहिया वाहनों के आरसी नवीनीकरण पर पेनल्टी में छूट

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

बजट घोषणा 2026 के तहत राज्य सरकार ने वाहन स्वामियों को बड़ी राहत दी हैं। जिला परिवहन अधिकारी रामकृष्ण चौधरी ने बताया कि मुख्यालय द्वारा जारी एमनेस्टी योजना के अंतर्गत कृषि पंजीयन प्रमाण पत्र (आरसी) के नवीनीकरण पर लगने वाली शास्ति (पेनल्टी) में छूट प्रदान की गई हैं। इसके बावजूद जो वाहन बगैर पंजीयन और आरसी समाप्त होने के बावजूद दौड़ रहे हैं, उनकी धरपकड़ का अभियान शुरू किया जायेगा।

परिवहन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के तहत दुपहिया वाहनों पर निर्धारित समयावधि में नवीनीकरण नहीं करवाने पर 300 प्रति माह एवं कृषि ट्रैक्टर पर 500 प्रतिमाह की दर से शास्ति आरोपित की जायेगी। ऐमनेस्टी योजना के तहत दुपहिया वाहनों पर अधिकतम शास्ति 1000 एवं कृषि ट्रैक्टर पर 1 वर्ष तक अधिकतम शारित 2500 एवं 1 वर्ष से अधिक होने पर अधिकतम शास्ति 5000 हैं। अब तक एमनेस्टी योजना 11 फरवरी से अबतक 88 ट्रैक्टर एवं 231 दुपहिया वाहन स्वामियों को इस योजना के अन्तर्गत कुल 18 लाख 46 हजार 200 रूपये की पेनल्टी में छूट प्रदान की जा चुकी हैं।

जिला परिवहन अधिकारी रामकृष्ण चौधरी ने सभी पात्र वाहन स्वामियों से अपील की हैं कि वे परिवहन विभाग की एमनेस्टी योजना का लाभ उठाते हुए अपने वाहन के पंजीयन प्रमाण पत्र (आरसी) का शीघ्र नवीनीकरण कराये। उक्त योजना 30 सितंबर 2026 तक उपलब्ध हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् नियमानुसार पूर्ण विलम्ब शुल्क देय होगा तथा बिना वैध आरसी के वाहन संचालन पर मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार कार्यवाही की जायेगी।

उन्होने अवगत कराया कि माह जुलाई में परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग द्वारा एक विशेष और सख्त चौकिंग अभियान चलाया जायेगा। इस अभियान के तहत यदि सड़कों पर बिना पंजीयन अथवा वैधता समाप्त हो चुके दुपहिया वाहन और ट्रैक्टर-ट्रोलियों का सचांलन मिला तो इनके विरूद्ध कार्यवाही करते हुए वाहनों को जब्त करने की कार्यवाही की जायेगी।

# अवैध बजरी परिवहन करते तीन ट्रैक्टर ट्रॉली जप्त

स्मार्ट हलचल

**सवाईपुर।** क्षेत्र के बड़लियास थाना पुलिस ने अवैध बजरी खनन पर दो अलग-अलग कार्रवाई करते हुए तीन ट्रैक्टर ट्रॉली को जप्त किया । थाना प्रभारी जसवंत सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र के सोलंकिया का खेड़ा बनास नदी से अवैध बजरी परिवहन भरकर पीथास गांव के पास बिना नम्बरी ट्रैक्टर को रोका तो ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर को रोड़ पर छोड़कर खेतों की तरफ भाग गया, पुलिस ने ट्रैक्टर को डिटेन कर थाने लगा खड़ा किया । वही दूसरी कार्रवाई भाकलिया व करेड़ के बीच बनास नदी से अवैध बजरी परिवहन करते हुए दो बिना नम्बरी ट्रैक्टर ट्रॉली को जप्त किया ।

पुलिस ने दो अलग-अलग प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की । पुलिस की इस कार्रवाई में थाना प्रभारी जसवंत सिंह, एएसआई जेठमल, दीवान सांवलदान, कांस्टेबल लक्ष्मण, गंभीर सिंह व विनोद कुमार शामिल रहे।

# देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष भड़ाना बने राजस्थान गुर्जर महासभा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष

## करेड़ा में प्रदेश कार्यसमिति की बैठक व युवा सम्मेलन, समाज की एकजुटता और युवाओं की भागीदारी पर दिया जोर

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

महेन्द्र नागौरी)करेड़ा में शुक्रवार को आयोजित राज-स्थान गुर्जर महासभा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक एवं युवा सम्मेलन में देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना को सर्वसम्मति से राजस्थान गुर्जर महासभा का कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया गया। कार्यक्रम पूज्य महंत श्री 1008 सुरेशदास जी महाराज (सवाई भोज) के सानिध्य में आयोजित हुआ, जिसकी अध्यक्षता महासभा के प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री कालूलाल गुर्जर ने की।

युवा सम्मेलन में नवनियुक्त कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना का स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी गईं। भड़ाना ने संगठन के विश्वास पर खरा उतरने का भरोसा जताते हुए समाज की एकता, संगठन की मजबूती और युवाओं की सक्रिय भागीदारी को अपनी प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि देवमाली में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में शुरू किए गए विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं का समाज सकारात्मक स्वागत करता है। साथ ही शिक्षा, सामाजिक समरसता और समाज के सर्वांगीण विकास के लिए सभी से मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में प्रदेश व जिला पदाधिकारी, समाज के वरिष्ठजन, युवा प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे।

# मानसून की पहली तेज बारिश में भीलवाड़ा हुआ तरबतर, अंडरब्रिज बने तालाब

## आधे घंटे की झमाझम बारिश ने खोली नगर निगम के प्री-मानसून दावों की पोल, कई क्षेत्रों में जलभराव, बिजली गिरने से मंदिर क्षतिग्रस्त और करंट से गौवंश झुलसे

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** मानसून की पहली ही तेज बारिश ने शुक्रवार अल सुबह भीलवाड़ा शहर को पूरी तरह तरबतर कर दिया। सुबह करीब चार बजे अचानक मौसम ने करवट ली और तेज हवाओं, बादलों की गड़गड़ाहट तथा कड़कती बिजली के साथ झमाझम बारिश का दौर शुरू हो गया। करीब आधे घंटे से अधिक समय तक हुई तेज बारिश ने शहर के जनजीवन को प्रभावित कर दिया। इसके बाद भी सुबह सात बजे तक रुक-रुक कर हल्की बूंदाबांदी का सिलसिला जारी रहा।

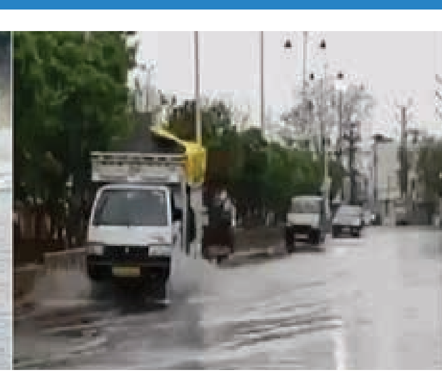

लंबे समय से भीषण गर्मी और उमस से परेशान शहरवासियों के लिए यह बारिश राहत लेकर आई, लेकिन दूसरी ओर नगर निगम के प्री-मानसून सफाई के दावों की पहली ही बारिश में पोल खुल गई। महज आधे घंटे की तेज बारिश में शहर का ड्रेनेज सिस्टम जवाब दे गया और कई प्रमुख क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बन गई। सुबह करीब साढ़े पांच बजे संजय कॉलोनी स्थित श्री चारभुजा नाथ मंदिर पर आकाशीय बिजली गिर गई। तेज धमाके से आसपास के लोग सहम गए। इस घटना में मंदिर के गुंबद को आंशिक नुकसान पहुंचा है। हालांकि, घटना सुबह के समय हुई और उस समय मंदिर में अधिक भीड़ नहीं होने से कोई जनहानि नहीं हुई। बड़ा हादसा टलने पर मंदिर प्रबंधन और स्थानीय श्रद्धालुओं ने राहत की सांस ली। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मंदिर परिसर में एकत्र हो गए। साथ ही संजय कॉलोनी क्षेत्र में सुबह विद्युत पोल के करंट से गौवश झुलस गए। इससे लोगों ने आक्रोश प्रकट किया। सुभाष नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। लोगों को समझाया। बिजली कर्मचारी मौके पर पहुंचे और ढीले जंपर को सही किया। स्थानीय लोगों ने बारिश के दौरान बिजली के खंभों और खुले तारों की नियमित जांच की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। मानसून की पहली ही बारिश ने एक ओर लोगों को गर्मी से राहत दी है, वहीं दूसरी ओर शहर की जल निकासी व्यवस्था, प्री-मानसून तैयारियों और प्रशासनिक दावों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। निगम प्रशासन ने बड़े-बड़े दावे किए थे कि जंबो टीमें और बड़े पैमाने पर संसाधन लगाकर छोटे-बड़े नालों की मुस्तैद सफाई कर दी गई है। यहां तक कि निगम आयुक्त ने बैठकों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का ऐलान भी किया था। सफाई के नाम पर लाखों-करोड़ों के बजट का उपयोग करने के बावजूद जल भराव की समस्या से मुक्ति इतनी आसान नजर नहीं आ रही। अब लोगों की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि आगामी बारिश से पहले प्रशासन और नगर निगम क्या ठोस कदम उठाते हैं।

### शहर के कई इलाकों में घुटनों तक भरा पानी

बारिश के बाद रामद्वारा रोड, रोडवेज बस स्टैंड, बीएसएनएल ऑफिस रोड, शास्त्री नगर, बडला चौराहा और पुराने भीलवाड़ा के प्रमुख बाजारों सहित कई इलाकों में घुटनों तक पानी भर गया। नालियों का पानी ओवरफ्लो होकर सड़कों पर फैल गया और कचरा तैरने लगा, जिससे राहगीरों, दुकानदारों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थिति यह थी कि बारिश बंद होने के करीब एक घंटे बाद तक कई इलाकों में पानी की निकासी नहीं हो सकी, जिससे नगर निगम की तैयारियों पर सवाल खड़े हो गए हैं।

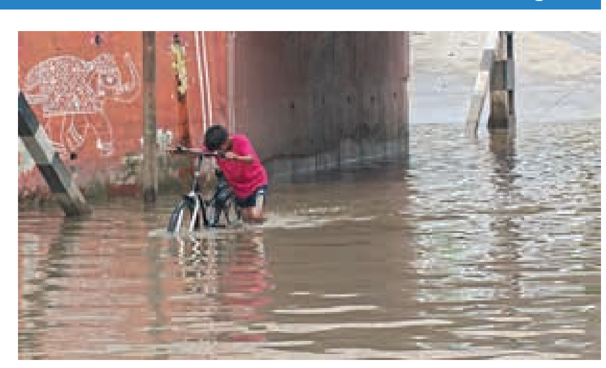

### रेलवे अंडरब्रिज बने तालाब, आवाजाही ठप

तेज बारिश के बाद शहर के विभिन्न रेलवे अंडरब्रिज (आरयूबी) पानी से पूरी तरह लबालब हो गए। अंडरब्रिज में पानी भरने से दोनों तरफ के रास्ते बंद हो गए और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। मारुति कॉलोनी बायस्कॉप के सामने स्थित रेलवे अंडरब्रिज में पानी भरने से स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने मौके पर प्रदर्शन किया। कई वाहन चालक जान जोखिम में डालकर गहरे पानी से वाहन निकालते नजर आए, जबकि कई लोग मजबूरी में रेलवे ट्रैक पार करते दिखाई दिए। स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसी स्थिति किसी बड़े हादसे को आमंत्रण दे सकती है और प्रशासन को इस दिशा में स्थायी समाधान निकालना चाहिए।

### मौसम हुआ सुहाना, तापमान में आई गिरावट

बारिश के बाद मौसम सुहावना हो गया और तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई।

मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को भीलवाड़ा का अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। इससे पहले गुरुवार को अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। दिन और रात दोनों के तापमान में गिरावट आने से लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत मिली है।

# हरे पेड़ काट सरकारी भूमि पर कब्जे का आरोप, अतिक्रमण हटाने की मांग

## कटारियों का खेड़ा के ग्रामीणों का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

स्मार्ट हलचल|पुनित चपलोत

**भीलवाड़ा।** जिले की काछोला तहसील के ग्राम कटारियों का खेड़ा के ग्रामीणों ने शुक्रवार को जिला कलेक्ट्रेट पहुंचकर चरागाह एवं सरकारी (बिलानाम) भूमि पर कथित अतिक्रमण के विरोध में प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए हरे-भरे पेड़ काटकर किए गए अवैध कब्जों को हटाने तथा सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की।

ग्रामीणों की ओर से अधिवक्ता भारत खटीक ने बताया कि गांव के कुछ प्रभावशाली लोगों ने चरागाह एवं सरकारी भूमि पर हरे पेड़ों की कटाई कर अवैध रूप से मकान और बाड़े बना लिए हैं। इतना ही नहीं, कब्जाई गई भूमि पर खेती भी की जा रही है। इससे गांव के मवेशियों के चरने की भूमि लगातार कम होती जा रही है और उनके आवागमन के रास्ते भी अवरुद्ध हो गए हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि जब भी वे इस अवैध कब्जे का विरोध करते हैं, तो अतिक्रमणकारी उनके साथ झगड़ा करते हैं और जान से मारने की धमकियां देते हैं। इससे गांव में भय और तनाव का माहौल बना हुआ है। ज्ञापन में ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि चरागाह एवं सरकारी (बिलानाम) भूमि से तत्काल अतिक्रमण हटाकर उसे मूल स्वरूप में बहाल किया जाए, ताकि मवेशियों के लिए पर्याप्त चराई की व्यवस्था सुनिश्चित हो सके और गांव में शांति एवं कानून व्यवस्था बनी रहे। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन तेज करने को मजबूर होंगे।

# 400 वर्ष पुराने प्राचीन हनुमान मंदिर की चारदीवारी जर्जर, मंडराया जनहानि का खतरा

## श्रद्धालुओं ने की पुनर्निर्माण की मांग, जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, कहा- कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** शहर के ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व वाले तेजाजी चौक स्थित भीमेश्वर महादेव मंदिर के पास बने लगभग 400 वर्ष पुराने प्राचीन हनुमान जी मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था और बुनियादी ढांचे को लेकर स्थानीय निवासियों में गहरी चिंता व्याप्त है। मंदिर के मूल परिसर की चारदीवारी वर्तमान में पूरी तरह जर्जर हो चुकी है और इसके किसी भी समय ढह जाने की गंभीर आशंका बनी हुई है। इस संबंध में स्थानीय सजग नागरिक ओंकार दास की अगुवाई में जिला कलेक्टर को एक लिखित आवेदन सौंपकर त्वरित कार्रवाई की मांग की गई है। मंदिर के पुजारी भरतराम जोशी (गुरु दयालु) के अनुसार, यह प्राचीन मंदिर क्षेत्र के हजारों लोगों की अटूट आस्था का प्रमुख केंद्र है, जहां प्रतिदिन सुबह-शाम नियमित रूप से पूजा-अर्चना, आरती तथा विभिन्न धार्मिक एवं मांगलिक आयोजनों का सिलसिला चलता रहता है। हर पर्व और विशेष अवसरों पर यहाँ श्रद्धालुओं की

भारी भीड़ उमड़ती है। ऐसे में अत्यंत जर्जर हो चुकी चारदीवारी के चलते हर समय किसी बड़े हादसे या जनहानि की पर्याप्त संभावना बनी रहती है, जिससे श्रद्धालुओं के साथ-साथ वहाँ से गुजरने वाले राहगीरों की जान भी जोखिम में है। विनोद चतुर्वेदी, विजय कसारा, प्रहलाद खटीक सहित स्थानीय भक्तों का कहना है कि यह धरोहर न केवल धार्मिक दृष्टिकोण से बल्कि सांस्कृतिक दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि समय रहते जिला प्रशासन द्वारा नई चारदीवारी का निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं करवाया गया, तो कभी भी कोई अप्रिय घटना घटित हो सकती है। पूर्व में भी कलेक्टर कार्यालय के आवक अनुभाग में इस संबंध में औपचारिक आवेदन सौंपकर प्रशासन का ध्यान इस अति-संवेदनशील मुद्दे की ओर आकर्षित कराया जा चुका है। प्रशासन को सौंपे गए पत्र में निवेदन किया गया है कि जनहित और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए इस प्राचीन मंदिर की चारदीवारी का नए सिरे से निर्माण कार्य अविलंब स्वीकृत किया जाए। क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि इस मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को तुरंत बजट आवंटन और निर्माण कार्य शुरू करने के निर्देश दिए जाएं, ताकि किसी भी संभावित दुर्घटना को टाला जा सके और इस प्राचीन धरोहर को भी सुरक्षित किया जा सके।

# गुरला टोल के पास राजपुरा गांव में खेत में निकला 5 फीट का अजगर

## वन विभाग व नागरिक सुरक्षा की टीम ने किया सुरक्षित रेस्क्यू

स्मार्ट हलचल | गुरला

भीलवाड़ा जिले के गुरला क्षेत्र के राजपुरा गांव में सुबह खेत में काम कर रहे किसानों में उस समय हड़कंप मच गया जब ज्वार के खेत में 5 फीट लंबा अजगर छिपा दिखा। अजगर देखकर खेत मालिक गोपी लाल गुर्जर के होश उड़ गए और गांव में भगदड़ मच गई।

गोपी लाल ने तुरंत वन विभाग को सूचना दी। सूचना पर वनपाल चंद्रपाल के निर्देश पर वनरक्षक दिनेश कुमार रेगर, निधि शर्मा, भागचंद बैरवा और नागरिक सुरक्षा विभाग के स्वयंसेवक नारायण लाल बैरवा व कैलाश कुमार रेगर की टीम मौके पर पहुंची।

टीम ने सावधानी और तकनीकी कौशल से अजगर को सुरक्षित रेस्क्यू किया। अजगर ज्वार के बीच बैठा था। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद उसे कब्जे में लिया गया और वन विभाग की देखरेख में नजदीकी सुरक्षित वन क्षेत्र में छोड़ दिया गया।

**भारतीय रॉक पाइथन है प्रजाति**

स्वयंसेवक नारायण लाल बैरवा ने बताया कि यह भारतीय रॉक पाइथन प्रजाति का अजगर था। यह विषहीन लेकिन शक्तिशाली होता है। इसकी लंबाई 20 फीट तक हो सकती है। यह वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की अनुसूची-1 में संरक्षित है।

रेस्क्यू के दौरान टीम ने ग्रामीणों को जागरूक भी किया। वन विभाग ने अपील की कि कोई भी जंगली जानवर दिखे तो उसे मारें नहीं, तुरंत विभाग को सूचना दें। वन्यजीव पर्यावरण संतुलन के लिए जरूरी हैं। टीम की तत्परता से ग्रामीणों का डर भी खत्म हुआ।

# मुकेश घुसर कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष एवं राकेश देसाई संगठन महासचिव नियुक्त

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

अखिल भारतीय मजदूर कांग्रेस के राष्ट्रीय संस्थापक आदरणीय प्रेमकुमार बेगी जी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर सिंह धिंगान (विधायक, नई दिल्ली) के निर्देशानुसार तथा प्रदेशाध्यक्ष तरुण पंडित जी की अनुशंसा पर संगठन के विस्तार को दृष्टिगत रखते हुए नई नियुक्तियां की गई हैं।

जारी आदेश के अनुसार भीलवाड़ा निवासी मुकेश कुमार घुसर को अखिल भारतीय मजदूर कांग्रेस, राजस्थान का कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष तथा राकेश देसाई को संगठन महासचिव (राजस्थान) नियुक्त किया गया है।

संगठन की कार्यकारिणी के विस्तार के तहत हुई इन नियुक्तियों पर संगठन के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी हैं।

संगठन के शीर्ष नेतृत्व ने मुकेश कुमार घुसर एवं राकेश देसाई को प्रदेशभर में संगठन का विस्तार करने, अधिक से अधिक श्रमिकों एवं नए कार्यकर्ताओं को कांग्रेस की विचारधारा से जोड़ते हुए संगठन एवं पार्टी को मजबूत बनाने के निर्देश दिए हैं।

नियुक्ति आदेश प्राप्त होने पर दोनों पदाधिकारियों ने शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए संगठन द्वारा दिए गए दायित्वों का पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण भाव से निर्वहन करने तथा संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

# लाछुड़ा से सूरजपुरा व भेरूखेड़ा को जोड़ने वाले 60 साल पुराने सार्वजनिक रास्ते पर कब्जे का आरोप, ग्रामीणों का कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन; रास्ता खुलवाने की मांग

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** ग्राम पंचायत लाछुड़ा से सूरजपुरा और भेरूखेड़ा को जोड़ने वाले करीब 60 वर्ष पुराने सार्वजनिक मार्ग को कथित रूप से बंद किए जाने के विरोध में शुक्रवार को ग्रामीणों ने जिला कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर रास्ता खुलवाने, अधूरा सड़क निर्माण शुरू कराने और अवरोध पैदा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ लोगों ने सार्वजनिक मार्ग को अपनी निजी खातेदारी भूमि बताते हुए उस

पर कंटीली झाड़ियां डालकर रास्ता पूरी तरह बंद कर दिया है। इससे देवपुरा, सूरजपुरा और भेरूखेड़ा गांवों का आपसी संपर्क प्रभावित हो गया है।

ग्रामीण भगवान सिंह ने बताया कि रास्ता बंद होने से स्कूली बसें, दूध के टैंकर और अन्य आवश्यक वाहन गांव तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। वहीं बारिश के मौसम में किसानों को खाद, बीज और कृषि सामग्री लाने-ले जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इससे ग्रामीणों का आवागमन भी बुरी तरह प्रभावित हो गया है।

उन्होंने बताया कि इस मार्ग पर डीएमएफटी योजना के तहत पीडब्ल्यूडी आसींद द्वारा सड़क निर्माण स्वीकृत हो चुका है, लेकिन राजस्व रिकॉर्ड में मार्ग दर्ज नहीं होने और अन्य तकनीकी कारणों से निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है। ग्रामीणों ने राज्य सरकार के 'रास्ता खोलो अभियान' के तहत सार्वजनिक मार्ग को तत्काल खुलवाने, अवरोध करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने, मार्ग को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज कराने तथा अधूरे सड़क निर्माण कार्य को शीघ्र शुरू कर पक्की सड़क बनाने की मांग की। उनका कहना है कि इससे क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों को स्थायी राहत मिलेगी।

# भीलवाड़ा डेयरी में मनाया गया एआई एवं टेक्नोलॉजी दिवस

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** सहकारिता मंत्रालय के स्थापना के पांच वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे 'सहकार सप्ताह' के तहत गुरुवार को भीलवाड़ा जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ (भीलवाड़ा डेयरी) में एआई एवं टेक्नोलॉजी दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आधुनिक तकनीक के माध्यम से दुग्ध उत्पादकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने और सहकारिता को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने पर जोर दिया गया।

डेयरी के प्रबंध संचालक त्रिभुवन पाटीदार ने बताया कि सहकार से समृद्धि के उद्देश्य को साकार करने के लिए दुग्ध उत्पादकों के सहकारी बैंक खातों को बढ़ावा देने के साथ-साथ माइक्रो एटीएम सहित विभिन्न डिजिटल सुविधाओं और योजनाओं की जानकारी किसानों तक पहुंचाई जा रही है। उन्होंने कहा कि तकनीक के प्रभावी उपयोग से सहकारी व्यवस्था अधिक पारदर्शी, सरल और मजबूत बनेगी।

कार्यक्रम में सहकारी बैंक के मैनेजर आशुतोष मेहता सहित विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं डेयरी कर्मचारी उपस्थित रहे। वक्ताओं ने किसानों से डिजिटल सेवाओं का अधिकतम उपयोग कर सहकारिता आंदोलन को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

# सड़क और नाली को तरसते डोई का खेड़ा के बैरवा बस्ती के लोग

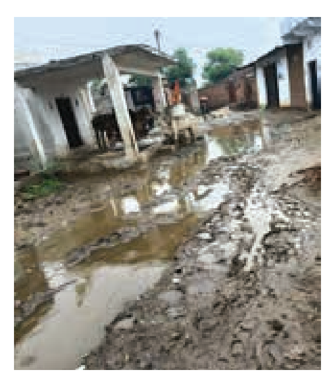

स्मार्ट हलचल

**शाहपुरा (भीलवाड़ा)।** शाहपुरा-फुलिया कला उपखंड के ग्राम पंचायत कनेक्शन खुर्द के राजस्व ग्राम डोई का खेड़ा के बैरवा बस्ती के लोग पहली बारिश में ही अपने घरों में कैद होने जैसा हो गया है क्योंकि बारिश का पानी मोहल्ले में भर गया है और कीचड़ होने के कारण बैरवा बस्ती के दोनों रास्ते बंद हो गए हैं बैरवा बस्ती के निवासी किशन बेरवा, मुकेश बैरवा, नारायण बेरवा, सोनाथ बेरवा, रामचंद्र बेरवा, कैलाश बेरवा, दिनेश बेरवा, द्वारका बेरवा ने उपखंड अधिकारी को लिखित में ज्ञापन देकर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। बैरवा बस्ती के निवासियों ने बताया कि विगत वर्ष ग्राम पंचायत कनेक्शन खुर्द में लगे समस्या समाधान शिविर में भी लिखित में प्रार्थना पत्र दिया था और पिछले दो वर्षों से प्रशासन से बराबर निवेदन करने पर भी किसी भी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं हुई है बारिश का पानी भर जाने के कारण निकासी नहीं होने से मच्छर पर नाप रहे हैं और मौसमी बीमारियों का खतरा उत्पन्न हो गया है कीचड़ और दलदल के कारण महिलाओं बुजुर्गों और छोटे बच्चों का बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है आजादी के इतने वर्षों बाद भी बैरवा बस्ती के लोग सड़क और नाली को तरस रहे हैं बैरवा बस्ती के निवासियों ने प्रशासन से तत्काल उक्त समस्या के निराकरण के लिए निवेदन किया है।

# वनवासी कल्याण परिषद बांटेगी 500 तुलसी के पौधे, पालड़ी से होगा अभियान का आगाज

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** वनवासी कल्याण परिषद की भीलवाड़ा इकाई शहर से सटे ग्रामीण क्षेत्रों में 500 तुलसी के पौधों का वितरण करेगी। अभियान का शुभारंभ 5 जुलाई को पालड़ी गांव स्थित बालाजी मंदिर में सुबह 7 बजे आयोजित कार्यक्रम से होगा।

प्रांत नगरीय प्रमुख रामप्रकाश अग्रवाल ने बताया कि इसके बाद जुलाई माह में इंद्रपुरा, आर्जिया, गोविंदपुरा और तेलीखेड़ा सहित अन्य गांवों में भी तुलसी के पौधों का वितरण किया जाएगा।

जिला उपाध्यक्ष कैलाश सोनी ने कहा कि तुलसी का पौधा धार्मिक, आध्यात्मिक और औषधीय दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसी उद्देश्य से परिषद पर्यावरण संरक्षण के साथ भारतीय संस्कृति के प्रति जनजागरण का अभियान चला रही है।

# आषाढ़ में लगी सावन की झड़ी, मेवाड़ की गंगा बनास व बेड़च, कोठारी नदी में पानी की आवक

स्मार्ट हलचल

**सवाईपुर।** सवाईपुर कस्बे सहित ढ़ेलाणा, सोपुरा जाटों का, सालरिया, बड़ला, बनकाखेड़ा, चावंडिया, ककरोलिया माफी, कंवलियास, रेड़वास, गुवारडी, जित्यास, नोहरा, कुड़ी,बोरखेड़ा, बोर्डियास, खजीना, कांदा, पिथास, सोलंकिया का खेड़ा आदि कई गांवों में दुसरे दिन गुरुवार को भी झमाझम बारिश का दौर चला। झमाझम बारिश के चलते बनास, बेड़च व कोठारी नदी में पानी की आवक हुई, नदियों में पानी की आवक होने से क्षेत्र के किसानों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। ग्रामीण अंचल में गुरुवार मध्य रात्रि बाद बारिश का दौर शुरू हुआ जो कुछ देर तक जमकर बरसा, वही सुबह 8 बजे तक रुक रुककर कभी रिमझिम तो कभी मध्यम गति से बारिश का दौर चला, क्षेत्र में करीब 5-6 घंटे

तक लगातार बारिश का दौर चला। क्षेत्र में हुई झमाझम बारिश से क्षेत्र की प्रमुख एवं मेवाड़ की गंगा बनास नदी में पानी की अच्छी आवक हुई, इसके साथ ही बेड़च व कोठारी नदी में भी पानी की आवक बनी हुई है, वहीं क्षेत्र के कई छोटे-बड़े जलाशयों में भी पानी की आवक हुई, जलाशय एवं नदियों में पानी की आवक होने से क्षेत्र के किसानों के चेहरे खिल गए हैं, जहां 2 दिन पहले फसले खेतों में मुरझा रही थी, वही दो दिन कि इस बारिश ने फसलों को नया जीवनदान दिया और फसले अब खेतों में लहरा रही है। वही झमाझम बारिश के चलते खेतों में पानी भर गया और कहीं जगह जल भराव हो गया। क्षेत्र में करीब 1 इंच पानी बरसा। वही दिनभर मौसम का मिजाज बदला हुआ रहा और आसमान में काले बादलों ने डेरा डाले रहे।

# ग्रामीण विकास कार्यों का अध्ययन करने सराणा व केकड़िया पहुंचे विभिन्न जिलों के प्रतिनिधि

स्मार्ट हलचल

**लाडपुरा।** राजस्थान प्राकृतिक खेती गठबंधन एवं साउथ राज-स्थान सीएसओ कंसोर्टियम के संयुक्त तत्वावधान में राजस्थान के विभिन्न जिलों से आए करीब 20 सिविल सोसायटी ऑर्गेनाइजेशन के प्रतिनिधियों ने मांडलगढ़ ब्लॉक के सराणा और केकड़िया गांवों का अध्ययन भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों ने ग्राम पंचायत विकास योजना एवं प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के तहत किए जा रहे विकास कार्यों का अवलोकन किया।

प्रतिनिधियों को ग्राम पंचायत स्तर पर विकास योजना निर्माण, जल एवं मृदा संरक्षण, चारागाह विकास, वर्षा जल संचयन, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, सामुदायिक सहभागिता तथा प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए अपनाए जा रहे नवाचारों की

जानकारी दी गई।

अध्ययन भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों ने चारागाह विकास कार्यों, टीजीसीएस, चेक डैम तथा गेबियन संरचनाओं का निरीक्षण कर इनके उपयोग और प्रभाव को समझा। साथ ही समुदाय आधारित प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन के सफल मॉडलों पर विस्तार से चर्चा की गई।

इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, ग्राम संस्थाओं एवं परियोजना टीम ने जल संरक्षण, टिकाऊ कृषि और ग्राम पंचायत विकास योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। प्रतिभागियों ने सराणा एवं केकड़िया में किए गए कार्यों की सराहना करते हुए इन्हें प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और सामुदायिक सहभागिता का प्रेरणादायक मॉडल बताया।

# बूंदी में जिला स्तरीय रोजगार उत्सव, नव नियुक्त कार्मिकों को मिलेंगे नियुक्ति पत्र

## टाउन हॉल में सुबह 9:30 बजे होगा कार्यक्रम, 50 हजार से अधिक युवाओं को मिलेगी वेलकम किट

स्मार्ट हलचल | बूंदी

जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक कार्यालय बूंदी में गुरुवार को मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कुंज बिहारी भारद्वाज की अध्यक्षता में जिला स्तरीय रोजगार उत्सव को लेकर विशेष बैठक आयोजित हुई। बैठक में 4 जुलाई को होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया।

सीएमओ भारद्वाज ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशानुसार आज 4 जुलाई शनिवार को प्रातः 9:30 बजे नगर परिषद बूंदी के टाउन हॉल, कुंभा स्टेडियम में जिला स्तरीय रोजगार उत्सव आयोजित होगा। समारोह में विभिन्न सरकारी विभागों में नव नियुक्त कार्मिकों को समारोहपूर्वक नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव के तहत राज्यभर में 50 हजार से अधिक चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र और वेलकम किट दिए जाएंगे। बैठक में एसीडीईओ धनराज मीणा, एडीईओ प्रहलाद शर्मा, एडीईओ यशवंत शर्मा, सीबीईओ कृष्णदत्त दाधीच, एसीबीईओ युवराज सिंह ने उद्घाटन, अतिथि सत्कार, पंजीयन, व्यवस्थाओं सहित अन्य बिंदुओं पर दिशा-निर्देश दिए।

इस दौरान रोजगार उत्सव प्रवक्ता नूतन तिवारी, लोकेश वशिष्ठ, राजेश चतुर्वेदी, सौभाग्य कुमार शर्मा, जयप्रकाश त्रिपाठी, राजेंद्र माथुर, आभा शर्मा, राजेंद्र मीणा, खेमराज मीणा, गजेंद्र सिंह सोलंकी सहित शिक्षा विभाग के अनेक कार्मिक उपस्थित रहे।

# शाहपुरा के बेटे ने रचा इतिहास: जंगलों की 36 साल की संघर्षगाथा बनी किताब

स्मार्ट हलचल

**शाहपुरा।** छोटे शहरों से निकलकर बड़े सपने सच करने की मिसाल अगर देखनी हो, तो शाहपुरा के सपूत परेश कुमार शर्मा का नाम गर्व से लिया जाएगा। शाहपुरा की मिट्टी में पले-बढ़े परेश शर्मा ने भारतीय वन सेवा में 36 वर्षों तक जंगलों, वन्यजीवों और पर्यावरण की रक्षा करते हुए जो संघर्ष, साहस और अनुभव अर्जित किए, वे अब पुस्तक 'जंगलों में पदचिह्न–एक वन अधिकारी के संस्मरण' के रूप में दुनिया के सामने आए हैं। खास बात यह है कि पुस्तक के लोकार्पण के कुछ ही समय बाद इसने ऑनलाइन मंच अमेजन पर पर्यावरण एवं प्रकृति श्रेणी की शीर्ष 10 सर्वाधिक बिकने वाली पुस्तकों में जगह बनाकर नई उपलब्धि हासिल कर ली।

वर्तमान में हैदराबाद में निवासरत परेश शर्मा मूलतः शाहपुरा के निवासी हैं। हैदराबाद में 24 जून को आयोजित एक सादगीपूर्ण लेकिन गरिमामय समारोह में उनकी पुस्तक का लोकार्पण हुआ। जैसे ही पुस्तक पाठकों तक पहुँची, इसकी चर्चा वन सेवा अधिकारियों, प्रशासनिक हलकों और पर्यावरण प्रेमियों के बीच तेजी से फैल गई।

यह किताब केवल संस्मरण नहीं, बल्कि संघर्ष, ईमानदारी और जुनून

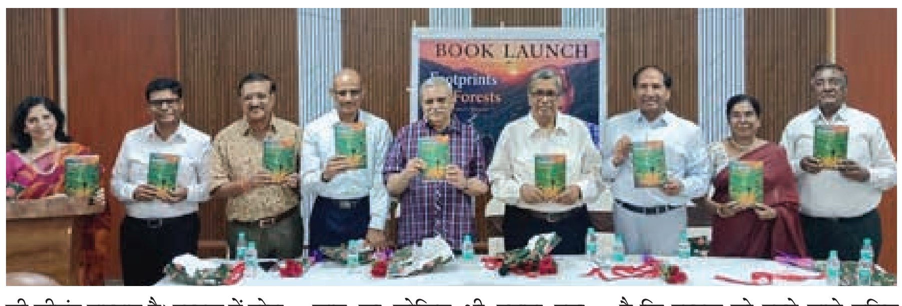


की जीवंत दास्तान है। पुस्तक में परेश शर्मा ने बचपन की यादों से लेकर प्रशासनिक सेवा के कठिन सफर तक हर पड़ाव को बेबाकी से दर्ज किया है। उन्होंने उन चुनौतियों को भी उजागर किया है, जिनका सामना उन्हें जंगलों में अवैध कटाई रोकने, वन संपदा की तस्करी पर लगाम लगाने, अतिक्रमण हटाने और वन्यजीवों की सुरक्षा के दौरान करना पड़ा। कई बार परिस्थितियाँ इतनी विकट रहीं कि जान का जोखिम भी उठाना पड़ा, लेकिन उन्होंने अपने कर्तव्य से कभी समझौता नहीं किया।

पुस्तक का सबसे मजबूत पक्ष इसकी सच्चाई और निर्भीकता है। इसमें सरकारी तंत्र की जमीनी हकीकत, फाइलों की जटिलता, निर्णय प्रक्रिया की चुनौतियाँ और एक ईमानदार अधिकारी के सामने आने वाले दबावों का बिना लाग-लपेट चित्रण किया गया है। यही कारण है कि पुस्तक को पढ़ने वाले वरिष्ठ अधिकारियों ने इसे बेहद प्रेरक और मार्गदर्शक बताया है।

सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी प्रियदर्शी दश ने पुस्तक को निडरता और स्पष्टवादिता का दस्तावेज बताया, जबकि श्रीपद भालेराओ ने इसे वन विभाग की कार्यप्रणाली समझने के लिए अनिवार्य पुस्तक कहा। वरिष्ठ प्रशासक बी.पी. आचार्य ने इसे नई पीढ़ी के सिविल सेवा अभ्यर्थियों और पर्यावरण प्रेमियों के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

सेवानिवृत्त वन सेवा अधिकारी सी. मधुकर राज के अनुसार यह पुस्तक साबित करती है कि राजस्थान के अपेक्षाकृत छोटे नगर शाहपुरा का एक साधारण युवक भी अपनी मेहनत, ईमानदारी और दृढ़ संकल्प से प्रशासनिक व्यवस्था के शीर्ष तक पहुँच सकता है।

शाहपुरा के लिए यह उपलब्धि किसी सम्मान से कम नहीं। एक ऐसे समय में, जब पर्यावरण संरक्षण वैश्विक चिंता का विषय है, शाहपुरा के बेटे ने अपने अनुभवों को शब्द देकर समाज को नई दिशा देने का प्रयास किया है। परेश शर्मा की यह सफलता शाहपुरा के युवाओं को साफ संदेश देती है–मंजिल बड़ी हो तो छोटे शहर कभी बाधा नहीं बनते, बल्कि वही सबसे मजबूत पहचान बनते हैं।

# नए लेबर कोड से बदलेगी श्रम व्यवस्था की तस्वीर, उद्योगों और कर्मचारियों के लिए खुलेंगे बदलाव के नए द्वार

## सीआईआई-राजस्थान एवं मेवाड़ चैम्बर के संयुक्त सेमीनार में विशेषज्ञों ने बताए नए श्रम कानूनों के प्रावधान

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा लागू किए जा रहे नए श्रम कानून (लेबर कोड) देश की श्रम व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन लेकर आने वाले हैं। इन नए प्रावधानों का सीधा प्रभाव उद्योग, व्यापार, सेवा क्षेत्र तथा करोड़ों कर्मचारियों पर पड़ेगा। नए श्रम कानूनों की विस्तृत जानकारी देने के उद्देश्य से कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई-राजस्थान) एवं मेवाड़ चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को मेवाड़ चौम्बर भवन में एक विशेष सेमीनार का आयोजन किया गया, जिसमें श्रम कानून विशेषज्ञों ने नए लेबर कोड के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। सेमीनार में पीडब्ल्यूसी के विशेषज्ञ गौरव वर्मा एवं अक्षय पुरोहित ने बताया कि नए श्रम कानूनों का मूल उद्देश्य कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा को मजबूत बनाना, कार्य-स्थलों पर सुरक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार करना, वेतन की एक समान परिभाषा निर्धारित करना तथा उद्योगों एवं श्रमिकों के बीच संबंधों को अधिक पारदर्शी और संतुलित बनाना है। मेवाड़ चैम्बर के मानद महासचिव आरके जैन ने कहा कि श्रम कानूनों में हो रहे इन व्यापक परिवर्तनों को देखते हुए उद्योगों, व्यापारिक संस्थानों, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, कंपनी सचिवों, एचआर प्रोफेशनल्स तथा श्रम कानूनों से जुड़े अधिकारियों के लिए समय-समय पर प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जागरूकता और प्रशिक्षण के माध्यम से ही नए प्रावधानों का प्रभावी एवं विधिसम्मत अनुपालन सुनिश्चित किया जा सकेगा। सेमीनार में आरएसडब्ल्यूएम लिमिटेड के एनके बहेड़िया, लघु उद्योग भारती के सुमित जागेटिया, एचआर प्रोफेशनल्स सोसाइटी के अध्यक्ष घनश्याम नन्दवाना, सचिव संजय त्रिपाठी सहित सौ से अधिक श्रम प्रबंधक, उद्योग प्रतिनिधि एवं विशेषज्ञ उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में मेवाड़ चैम्बर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. आर.सी. लोढ़ा ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

विशेषज्ञ गौरव वर्मा ने कहा कि नए सोशल सिक्योरिटी कोड के अंतर्गत कर्मचारी भविष्य निधि (पीएफ), ग्रेच्युटी, कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई), मातृत्व लाभ तथा अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। सरकार का प्रयास है कि अधिक से अधिक कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा के दायरे में लाया जाए। उन्होंने बताया कि पहली बार असंगठित क्षेत्र, गिग वर्कर्स और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को भी सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। इससे लाखों ऐसे कर्मचारियों को लाभ मिलेगा, जो अब तक पारंपरिक सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से वंचित रहे हैं। वर्मा ने कहा कि नए लेबर कोड में सबसे बड़ा परिवर्तन वेतन (वेज) की नई परिभाषा को लेकर किया गया है। अब बेसिक वेतन के साथ कई प्रकार के अलाउंस को भी वेतन की गणना में शामिल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि वेतन की एक समान परिभाषा निर्धारित होने से पीएफ, ग्रेच्युटी, बोनस तथा अन्य वैधानिक देयताओं की गणना में एकरूपता आएगी। इससे कर्मचारियों के दीर्घकालीन हितों की सुरक्षा होगी और उन्हें भविष्य में अधिक लाभ प्राप्त हो सकेगा। हालांकि इसके चलते अनेक उद्योगों को अपनी वेतन संरचना एवं पेरोल प्रणाली में आवश्यक बदलाव भी करने होंगे।

### कार्यस्थलों पर सुरक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं को मिलेगा बढ़ावा

पीडब्ल्यूसी के विशेषज्ञ अक्षय पुरोहित ने ऑक्युपेशनल सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशन्स कोड के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि नए कानून के माध्यम से कार्यस्थलों पर सुरक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य सुविधाओं और बेहतर कार्य परिस्थितियों को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने बताया कि उद्योगों में कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, दुर्घटनाओं की रोकथाम, स्वास्थ्य मानकों के पालन तथा महिला कर्मचारियों सहित सभी श्रमिकों के लिए सुरक्षित कार्य वातावरण उपलब्ध कराने संबंधी प्रावधानों को पहले की तुलना में अधिक प्रभावी बनाया गया है। पुरोहित ने कहा कि इंडस्ट्रियल रिलेशंस कोड के तहत उद्योगों और कर्मचारियों के बीच संबंधों को अधिक व्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाने का प्रयास किया गया है। नियुक्ति, सेवा शर्तें, औद्योगिक विवादों का समाधान, छंटनी, पुनर्गठन तथा श्रमिक संगठनों से जुड़े अनेक प्रावधानों में संशोधन कर प्रक्रियाओं को सरल एवं स्पष्ट बनाया गया है। विशेषज्ञों के अनुसार इन परिवर्तनों से उद्योगों में विवादों के त्वरित समाधान तथा औद्योगिक शांति बनाए रखने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी।

### उद्योगों को समय रहते करना होगा अनुपालन

मेवाड़ चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष अनिल मिश्रा ने कहा कि नए लेबर कोड के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए उद्योगों के मानव संसाधन (एचआर), वित्त, विधिक एवं प्रशासनिक विभागों को नए प्रावधानों की विस्तृत जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से वेतन संरचना, पीएफ, ग्रेच्युटी, सेवा नियम, नियुक्ति पत्र, एचआर नीतियों तथा श्रम कानूनों से संबंधित अनुपालना (कॉम्प्लायंस) में आवश्यक संशोधन समय रहते करना जरूरी होगा, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की कानूनी जटिलता का सामना न करना पड़े।

### उद्योग और कर्मचारियों के हितों में संतुलन

कार्यक्रम के प्रारंभ में सीआईआई उदयपुर चैप्टर के अध्यक्ष अमित तलेसरा ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि नए लेबर कोड का उद्देश्य 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' और 'ईज ऑफ लिविंग फॉर वर्कर्स' के बीच संतुलन स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि एक ओर उद्योगों को सरल एवं पारदर्शी कानूनी व्यवस्था उपलब्ध होगी, वहीं दूसरी ओर कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा और श्रम अधिकारों को भी अधिक सुदृढ़ बनाया जा सकेगा।

# स्नातक प्रथम सेमेस्टर प्रवेश के लिए तीसरी मेरिट व प्रतीक्षा सूची जारी

## दस्तावेज सत्यापन और फीस जमा कराने का अंतिम मौका, 8 जुलाई तक पूरी करनी होगी प्रवेश प्रक्रिया

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** स्नातक प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश से वंचित छात्राओं के लिए राहत भरी खबर है। उच्च शिक्षा आयुक्तालय ने महाविद्यालयों में रिक्त सीटों, डिफॉल्टर्स की संख्या और विद्यार्थियों की मांग को देखते हुए तृतीय मेरिट सूची एवं तृतीय प्रतीक्षा सूची जारी कर दी है। इसके साथ ही छात्राओं को दस्तावेज सत्यापन और ऑनलाइन फीस जमा कराने का अंतिम अवसर दिया गया है।

सेठ मुरलीधर मानसिंहका राजकीय कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सावन कुमार जांगिड़ ने बताया कि जिन छात्राओं ने पूर्व मेरिट सूची में दस्तावेज सत्यापन या फीस जमा नहीं करवाई थी, उन्हें तीसरी मेरिट व प्रतीक्षा सूची के माध्यम से अंतिम मौका दिया गया है। तीसरी मेरिट सूची में कला संकाय में 128, जीव विज्ञान में 41, गणित में 42, बी.कॉम. में 56 तथा बी.एससी. गृह विज्ञान में 14 छात्राओं को प्रवेश का अवसर मिला है। वहीं कला वर्ग में 495 और जीव विज्ञान में 73 छात्राओं को प्रतीक्षा सूची में शामिल किया गया है।

प्रवेश प्रभारी डॉ. सीमा गौड़ ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन करने वाली लगभग सभी छात्राओं को अब प्रवेश का अवसर मिल चुका है। इच्छुक छात्राओं को 8 जुलाई तक महाविद्यालय में दस्तावेज सत्यापन करवाकर ई-मित्र के माध्यम से ऑनलाइन फीस जमा करानी होगी। इसके अलावा राजकीय महाविद्यालय हमीरगढ़ और कैलाश त्रिवेदी राजकीय कन्या महाविद्यालय, गंगापुर में भी कला संकाय की 200-200 सीटों के लिए तीसरी मेरिट एवं प्रतीक्षा सूची जारी कर प्रवेश प्रक्रिया को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

# गुवाड़ा में एक ही रात 8 कुओं से केबल चोरी, किसानों में रोष

स्मार्ट हलचल |बानसूर

निकटवर्ती गांव गुवाड़ा में गुरुवार रात अज्ञात चोरों ने एक साथ आठ कुओं को निशाना बनाते हुए विद्युत केबल चोरी कर ली। घटना का पता शुक्रवार सुबह तब चला, जब किसान अपने खेतों पर पहुंचे। लगातार हो रही चोरी की वारदातों से क्षेत्र के किसानों में रोष व्याप्त हैं।ग्रामीण छीतरमल ने बताया कि उनके कुएं की मोटर खराब होने के कारण उसे पहले ही बाहर निकाल रखा था। शुक्रवार सुबह जब वह कुएं पर पहुंचे तो मोटर अपनी जगह रखी मिली, लेकिन उससे जुड़ी विद्युत केबल गायब थी। जांच करने पर पता चला कि चोर केवल उनके ही नहीं, बल्कि आसपास के करीब सात अन्य किसानों के कुओं से भी केबल चोरी कर ले गए। घटना की सूचना हरसौरा थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जानकारी जुटाई। पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

# जिला कांग्रेस कार्यकारिणी में जिम्मेदारी मिलने पर जाड़ावत का जताया आभार

स्मार्ट हलचल| चित्तौड़गढ़

जिला कांग्रेस कमेटी चित्तौड़गढ़ की नवीन कार्यकारिणी में चित्तौड़गढ़ विधानसभा क्षेत्र के सक्रिय एवं समर्पित कांग्रेस कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण दायित्व दिए जाने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत प्रदेश अध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा एवं पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत का आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया।

नवगठित कार्यकारिणी में गौरीलाल गुर्जर को जिला उपाध्यक्ष, शैलेंद्र सिंह शक्तावत एवं गोविंद चौधरी को जिला महासचिव तथा दिनेश भोई एवं महेंद्र मीणा को जिला सचिव मनोनीत किए जाने पर कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने समर्पित एवं जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं को सम्मान दिया है। इससे संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी तथा कांग्रेस और अधिक सशक्त होगी।

इस अवसर पर सभी नवमनोनीत पदाधिकारियों का साफा एवं उपरना पहनाकर अभिनंदन किया गया तथा पूर्व राज्यमंत्री सुरेंद्रसिंह जाड़ावत के नेतृत्व एवं संगठन को मजबूत करने के प्रयासों की सराहना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया गया। इस दौरान प्रदेश सचिव रणजीत लोट, पर्यावरण प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष कमल गुर्जर, ओबीसी प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष गेहरूगिरी गोस्वामी, शहर महामंत्री शंभुलाल प्रजापत, सरपंच प्रतिनिधि रतनलाल मीणा, शंभूलाल शर्मा, देवीलाल गुर्जर, रतन भोई, भेरूलाल पुरबिया, सुनील चौधरी, तेजपाल भोई, सुरेश ईनाणी, यश प्रताप सिंह, गौरव मेडतवाल, कमलेश ईनाणी, देवीलाल अहीर, हर्षित मुरोलिया सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# अग्रसेन मांगलिक भवन में नवनिर्मित 12 कमरों का लोकार्पण

स्मार्ट हलचल| चित्तौड़गढ़

गांधीनगर स्थित अग्रसेन मांगलिक भवन के द्वितीय तल पर निर्मित 12 नए कमरों का शुक्रवार को लोकार्पण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भीलवाड़ा सांसद दामोदर अग्रवाल एवं चित्तौड़गढ़ विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने भवन का लोकार्पण किया। समारोह से पूर्व वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन-पूजन सम्पन्न हुआ, जिसमें समाज के 31 दंपतियों ने भाग लिया। इसके पश्चात आचार्य प्रमोद कृष्ण महाराज (गाजियाबाद) की वाणी में अग्र भागवत कथा का आयोजन किया ।

इस अवसर पर भवन निर्माण एवं विभिन्न सुविधाओं के विकास में सहयोग देने वाले समाज के भामाशाहों का उपरना, माल्यार्पण, स्मृति चिह्न एवं महाराजा अग्रसेन का चित्र भेंट कर सम्मान किया गया। लिफ्ट निर्माण में सहयोग देने वाले रविंद्र अग्रवाल (रॉयल एनफील्ड) सहित अन्य सहयोगियों का भी अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष रतनलाल गाड़ी, नगर अध्यक्ष गौरव त्यागी, अग्रवाल विकास संस्था अध्यक्ष पवन अग्रवाल, जिला अग्रवाल सम्मेलन अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल, संरक्षक नेमीचंद अग्रवाल, महिला मंडल अध्यक्ष शोभना अग्रवाल सहित समाज के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में अग्रवाल समाज के लोग उपस्थित रहे। महामंत्री आशीष अग्रवाल ने कार्यक्रम का संचालन किया, जबकि अंत में कमल अग्रवाल ने सभी अतिथियों एवं समाजजनों का आभार व्यक्त किया।

# बानसूर में ट्रांसफार्मर चोरों का आतंक,हरसौरा-देवसन में दो ट्रांसफार्मर किए साफ

स्मार्ट हलचल

बानसूर । क्षेत्र के हरसौरा और देवसन गांवों में गुरुवार रात अज्ञात चोरों ने दो बिजली ट्रांसफार्मरों को निशाना बनाकर उनके अंदर से कॉपर वायर सहित कीमती सामान चोरी कर लिया। हरसौरा के माजरा अहीर में किसान इंद्र यादव शुक्रवार सुबह खेत पहुंचे तो ट्रांसफार्मर जमीन पर क्षतिग्रस्त पड़ा मिला। सूचना पर बिजली विभाग की टीम मौके पर पहुंची और निरीक्षण किया। वहीं देवसन गांव में चोर सिंगल फेज ट्रांसफार्मर को खंभे से उतारकर उसके अंदर का कीमती सामान निकाल ले गए। सुबह बिजली गुल

होने पर ग्रामीणों को घटना का पता चला। लगातार हो रही ट्रांसफार्मर चोरी की घटनाओं से किसानों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने पुलिस से चोरों की जल्द गिरफ्तारी और क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की है।

# चित्तौड़गढ़ नगर माहेश्वरी सभा के चुनाव सर्वसम्मति से संपन्न

स्मार्ट हलचल| चित्तौड़गढ़

चित्तौड़गढ़ नगर माहेश्वरी सभा की वर्ष 2026-2029 कार्यकाल के लिए नई कार्यकारिणी का निर्वाचन शुक्रवार को जागेटिया फार्महाउस में शांतिपूर्ण एवं सर्वसम्मति से संपन्न हुआ। निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण पारदर्शिता एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई, जिसमें सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों का निर्विरोध निर्वाचन घोषित किया गया।

निर्वाचन पर्यवेक्षक एवं पूर्व जिला सभा मंत्री शिवप्रकाश मंत्री ने नई कार्यकारिणी की घोषणा की। निर्वाचन प्रक्रिया का संचालन सहायक चुनाव अधिकारी पियूष काबरा, विपिन लड्ढा एवं लोकेश जागेटिया ने किया, जबकि चुनाव अधिकारी कैलाश जागेटिया, नरेंद्र कुमार नरायणीवाल, दीनदयाल नरायणीवाल एवं हरीश न्याती ने निर्वाचन को सफलतापूर्वक संपन्न कराया।

नई कार्यकारिणी में भरत माहेश्वरी को अध्यक्ष चुना गया। नरेंद्र डाड एवं कैलाशचंद चोखड़ा उपाध्यक्ष, प्रदीप काबरा सचिव, रविशंकर न्याती एवं बृजेश मोदानी संयुक्त सचिव, योगेश काबरा कोषाध्यक्ष, लोकेश अजमेरा संगठन सचिव, विजय कुमार अजमेरा सामाजिक एवं सांस्कृतिक सचिव, पुष्कर सोमानी खेल मंत्री तथा गोपाल न्याती प्रचार-प्रसार मंत्री निर्वाचित हुए। इसके अलावा 15 सदस्यों को कार्यकारिणी में शामिल किया गया।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष भरत माहेश्वरी ने समाजबंधुओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नई कार्यकारिणी समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर संगठन को मजबूत बनाने, युवाओं एवं महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने तथा सामाजिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं सेवा गतिविधियों को नई गति देने के लिए प्रतिबद्ध रहेगी।

इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजन, पूर्व पदाधिकारी, विभिन्न क्षेत्रीय इकाइयों के अध्यक्ष एवं मंत्री, कार्यकारी मंडल के सदस्य तथा बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे। सभी ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए सफल कार्यकाल की कामना की।

# बारिश ने खोली व्यवस्था की पोल, अलवर बाईपास पर जलभराव से राहगीर परेशान

स्मार्ट हलचल

**बानसूर।** नगरपालिका क्षेत्र के अलवर बाईपास रोड पर बारिश के बाद जलभराव ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। सड़क पर करीब दो फीट तक पानी भर जाने से वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो रही है, वहीं पैदल राहगीरों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात के दौरान हर साल यही स्थिति बनती है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं किया गया। नगर कांग्रेस अध्यक्ष राहुल आर्य ने बताया कि इस समस्या की जानकारी कई बार नगरपालिका प्रशासन को दी जा चुकी है, फिर भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने जल निकासी की समुचित व्यवस्था कर स्थायी समाधान की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो समस्या और गंभीर हो सकती है तथा दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ जाएगा।

# विप्र प्रतिभा सम्मान समारोह: 12 जुलाई को होगा भव्य आयोजन, आवेदन के लिए 7 जुलाई तक बढ़ा मौका

स्मार्ट हलचल| उदयपुर

विप्र फाउंडेशन जोन 1ए (शिक्षा, रोजगार एवं प्रतियोगी परीक्षा प्रकोष्ठ) द्वारा आगामी 12 जुलाई को राष्ट्रीय तीर्थ प्रताप गौरव केंद्र के कुंभा सभागार में 'विप्र प्रतिभा सम्मान समारोह' एवं मार्गदर्शन सेमिनार का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए हाल ही में सेक्टर-5 स्थित महर्षि गौतम भवन में समाज के प्रबुद्धजनों और प्रमुख पदाधिकारियों की एक विशेष बैठक आयोजित हुई।

### तैयारियों को लेकर रूपरेखा

विप्र फाउंडेशन के प्रदेश संयोजक डॉ. एच.आर. दवे की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में पूर्व अधीक्षण अभियंता मधुसूदन पालीवाल मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथि के तौर पर सेवानिवृत्त श्रम आयुक्त सतीश चंद्र जोशी और पुष्कर राज आमेटा ने शिरकत की। कार्यक्रम का संचालन लोकेश पालीवाल ने किया। बैठक में आयोजन की भव्यता सुनिश्चित करने के लिए अतिथि स्वागत, पंजीयन और मंच प्रबंधन हेतु पृथक-पृथक समितियों का गठन किया गया है।

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 7 जुलाई कर दिया गया है। डॉ. दवे ने स्पष्ट किया कि इस बार ऑनलाइन के अतिरिक्त ऑफलाइन आवेदन भी स्वीकार किए जाएंगे, जिसके लिए आवेदन पत्र समाज के प्रमुख पदाधिकारियों को उपलब्ध करा दिए गए हैं।

### सामुदायिक एकजुटता का संदेश

शिक्षा प्रकोष्ठ के सचिव गणेश नागदा ने विप्र समाज के प्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे अपने क्षेत्र के योग्य विद्यार्थियों को इस मंच से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित करें। बैठक में मेनारिया, पालीवाल, बड़ा नागदा, आमेटा, गुर्जर गौड़, भार्गव, भट्ट मेवाड़ा, सनाढ्य, पारीक और सारस्वत सहित अनेक ब्राह्मण समाज के अध्यक्षों व प्रतिनिधियों ने अपनी भागीदारी और पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। यह आयोजन राष्ट्रीय संरक्षक धर्म नारायण जोशी, राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यनारायण श्रीमाली, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राधेश्याम सिखवाल, वरिष्ठ शिक्षाविद् आर.सी. व्यास तथा प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र पालीवाल के मार्गदर्शन में संपन्न होगा।

# डीएलसी दरों में बार-बार बढ़ोतरी पर प्रॉपर्टी ब्रोकर्स का विरोध

## सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन, नगर विकास न्यास में पूर्णकालिक सचिव नियुक्ति और भ्रष्टाचार पर रोक लगाने की मांग

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** प्रॉपर्टी ब्रोकर्स एसोसिएशन भीलवाड़ा ने डीएलसी दरों में लगातार हो रही बढ़ोतरी को आमजन और रियल एस्टेट कारोबार के लिए नुकसानदायक बताते हुए इसका कड़ा विरोध किया है। एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री के नाम अतिरिक्त जिला कलक्टर (शहर) को ज्ञापन सौंपकर डीएलसी दरों में फिलहाल कोई वृद्धि नहीं करने तथा नगर विकास न्यास की कार्यप्रणाली में सुधार की मांग उठाई।

एसोसिएशन के अध्यक्ष महेश सोनी, सचिव महावीर कच्छारा और कोषाध्यक्ष मुकेश बहेड़िया के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया कि पिछले डेढ़ वर्ष में भीलवाड़ा में चार बार डीएलसी दरें बढ़ाई जा चुकी हैं, जबकि निर्माण

दरें भी 1200 रुपये से बढ़ाकर 1800 रुपये प्रति वर्गफीट कर दी गई हैं। इससे मकान खरीदने वालों पर स्टांप शुल्क का अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है और प्रॉपर्टी कारोबार भी प्रभावित हो रहा है।

एसोसिएशन ने नगर विकास न्यास में पूर्णकालिक सचिव की शीघ्र नियुक्ति की मांग करते हुए आरोप लगाया कि नामांतरण, भूखंड आवंटन, लीज जमा, भवन निर्माण स्वीकृति सहित कई कार्य अनावश्यक रूप से लंबित रखे जा रहे हैं। समस्या समाधान शिविरों के बावजूद लोगों को बार-बार न्यास के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, जिससे भ्रष्टाचार को भी बढ़ावा मिल रहा है।

ज्ञापन में चेतावनी दी गई कि यदि डीएलसी दरों में प्रस्तावित बढ़ोतरी पर रोक नहीं लगाई गई और नगर विकास न्यास की व्यवस्थाओं में सुधार नहीं किया गया तो एसोसिएशन आंदोलनात्मक कदम उठाने को मजबूर होगी।

इस दौरान उपाध्यक्ष मनोज कुमार शर्मा, घनश्याम मनिहार, सह सचिव विकास जैन, संगठन मंत्री अशोक बंसल, नरपतसिंह राठौड़, विजय डिडवानियां, रघु शर्मा, सुनील जैन, सूर्यभानसिंह राठौड़, किशन सोनी, सौरभ मणिहार सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

# समलेटी को मिली विकास की बड़ी सौगात: 33/11 केवी जीएसएस से विद्युत आपूर्ति का शुभारंभ, विधायक राजेंद्र मीणा ने पूजा-अर्चना कर किया शुभारंभ

## हजारों उपभोक्ताओं को मिलेगा बेहतर वोल्टेज, निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली का लाभ; कृषि, शिक्षा, व्यापार और ग्रामीण विकास को मिलेगी नई गति

स्मार्ट हलचल

**महुवा।** महुवा उपखंड क्षेत्र के ग्राम समलेटी के लिए शुक्रवार का दिन ऐतिहासिक साबित हुआ। लंबे समय से बेहतर विद्युत व्यव-स्था की प्रतीक्षा कर रहे ग्रामीणों को आखिरकार बड़ी राहत मिली, जब गांव में स्थापित 33/11 केवी ग्रिड सब-स्टेशन (जीएसएस) से विद्युत आपूर्ति का विधिवत शुभारंभ किया गया। क्षेत्रीय विधायक राजेंद्र मीणा ने ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना कर जीएसएस से बिजली सप्लाई का शुभारंभ किया। शुभारंभ के साथ ही पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल दिखाई दिया और ग्रामीणों ने इसे क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पूजा-अर्चना के बाद विधायक ने जीएसएस परिसर का निरीक्षण किया तथा विद्युत विभाग के अधिकारियों से क्षेत्र में बिजली आपूर्ति की व्यवस्था की जानकारी भी ली।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक राजेंद्र मीणा ने कहा कि किसी भी क्षेत्र के समग्र विकास के लिए मजबूत विद्युत व्यवस्था अत्यंत आवश्यक होती है। समलेटी में 33/11 केवी जीएसएस के शुरू होने से न केवल गांव बल्कि आसपास के अनेक गांवों के हजारों उपभोक्ताओं को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध होगी। इससे बिजली की बार-बार होने वाली ट्रिपिंग, कम वोल्टेज और अनियमित आपूर्ति जैसी समस्याओं में काफी हद तक

सुधार आएगा।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त बिजली मिलना सबसे बड़ी आवश्यकता है। इस जीएसएस के शुरू होने से कृषि कार्यों में सुविधा बढ़ेगी, किसानों को समय पर सिंचाई के लिए बिजली उपलब्ध होगी और कृषि उत्पादन में भी सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा। साथ ही घरेलू उपभोक्ताओं, छोटे व्यापारियों, दुकानदारों एवं विद्यार्थियों को भी इसका सीधा लाभ मिलेगा।

विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार कार्य कर रही है। सड़क, बिजली, पेयजल, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं को मजबूत बनाने के उद्देश्य से विभिन्न विकास योजनाएं संचालित की जा रही हैं। समलेटी जीएसएस का शुभारंभ भी इसी विकास यात्रा की एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जो आने वाले समय में पूरे क्षेत्र की प्रगति का आधार बनेगा।

उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध होने से छोटे उद्योगों और स्वरोजगार गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियां तेज होंगी और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर विकसित होंगे। बेहतर बिजली व्यवस्था से शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और डिजिटल सुविधाओं का भी विस्तार होगा, जिससे ग्रामीण जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार आएगा।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामीणों ने भी अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि लंबे समय से क्षेत्र में बेहतर बिजली व्यवस्था की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। अब जीएसएस के शुरू होने से बिजली संबंधी समस्याओं में राहत मिलने की उम्मीद है। ग्रामीणों ने इस परियोजना को क्षेत्र के लिए विकास का नया अध्याय बताते हुए जनप्रतिनिधियों एवं विद्युत विभाग का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष धारा सिंह पीपलखेड़ा, पूर्व कृषि उपज मंडी अध्यक्ष सीताराम समलेटी, योगेश शास्त्री सहित अनेक जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता, विद्युत विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। सभी ने जीएसएस के शुभारंभ को क्षेत्र के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए इसे विकास की नई शुरुआत बताया।

# पैतृक दुकान पर कब्जे का प्रयास, पुलिस ने रातों-रात लगा गेट किया जब्त

स्मार्ट हलचल

**नगर फोर्ट।** पलाई कस्बे में भूमि विवाद का मामला गरमा गया है। नगर फोर्ट रोड स्थित एक पुस्तैनी खंडहर दुकान पर कुछ प्रभावशाली लोगों ने कब्जा करने की नीयत से रातों-रात पूरी दुकान ध्वस्त कर दी और वहां लोहे का गेट लगा दिया गया। सुबह जब स्थानीय लोगों को इसकी जानकारी मिली तो इलाके में तनाव फैल गया और मौके पर भीड़ जमा हो गई। विवाद बढ़ता देख लोगों ने तुरंत पलाई पुलिस चौकी को सूचना दी। सूचना मिलते ही पलाई पुलिस चौकी इंचार्ज रमेश चंद बैरवा मय जाप्ते के तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का बारीकी से मुआयना किया और कब्जे की नीयत से लगाया गया लोहे का गेट जब्त कर पुलिस चौकी में रखवा दिया। फिलहाल पुलिस चौकी इंचार्ज रमेश चंद बैरवा पूरे मामले की गहनता से जांच कर रहे हैं। पुलिस का कहना है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और कानून व्यवस्था से खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर रोष है और वे प्रशासन से निष्पक्ष कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

# मानवाधिकार विकास संघ में बाबूलाल नागा प्रदेश महामंत्री नियुक्त

स्मार्ट हलचल|जोबनेर

मानवाधिकार विकास संघ की राष्ट्रीय कोर कमेटी ने जोबनेर निवासी वरिष्ठ पत्रकार एवं

सामाजिक कार्यकर्ता बाबूलाल नागा को संगठन के प्रदेश महामंत्री (किसान प्रकोष्ठ), राजस्थान पद पर नियुक्त किया है। मानवाधिकार विकास संघ के किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कुमार जैन की अनुशंसा पर राष्ट्रीय कोर कमेटी की ओर से उनकी यह नियुक्ति की गई। उन्हें प्रदेशभर में किसान प्रकोष्ठ को सशक्त बनाने, संगठन के विस्तार तथा मानवाधिकार एवं किसान हितों से जुड़े मुद्दों पर प्रभावी कार्य करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश तंवर की ओर से जारी नियुक्ति आदेश में कहा कि बाबूलाल नागा की नेतृत्व क्षमता, संगठनात्मक अनुभव, कार्यशैली तथा सामाजिक सरोकारों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। समिति ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में संगठन के उद्देश्य और जनकल्याणकारी गतिविधियां प्रदेश के कोने-कोने तक पहुंचेंगी तथा संगठन को नई मजबूती मिलेगी। नियुक्ति पर संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने बाबूलाल नागा को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में किसान प्रकोष्ठ प्रदेशभर में सक्रिय भूमिका निभाएगा और संगठन की विचारधारा एवं जनसेवा के कार्यों को नई गति मिलेगी।

# पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना: चंदवाड़ में जनसुनवाई, ठीकरियाकलां के लोगों ने जताया विरोध

स्मार्ट हलचल

**घाड़ (देवली), टोंक।** पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (इआरसीपी) के तहत नवनिर्मित कार्यों के सामाजिक प्रभाव आकलन के लिए चंदवाड़ में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान ठीकरियाकलां गांव के ग्रामीणों ने नहर निर्माण का विरोध दर्ज कराया। यह सामाजिक समाघात प्रभाव (सिया) अध्ययन 'राजस्थान भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकार और पारदर्शिता का अधिकार नियम, 2016' के तहत किया जा रहा है। यह प्रक्रिया 'एनजीबीआई लिंक पैकेज-ईई' परियोजना के अंतर्गत रामगढ़ एवं महलपुर बैराज और नवनैरा-गलवा-बीसलपुर-ईसरदा लिंक परियोजना से संबंधित है।

परियोजना के तहत गलवा पंप हाउस एवं गलवा बांध से बीसलपुर बांध (आरडी 9.6 केएम से 40.6 केएम) तक फीडर निर्माण कार्य से प्रभावित होने वाले क्षेत्रों के लिए यह जनसुनवाई थी। ये क्षेत्र टोंक जिले की देवली, दूनी और नगरफोर्ट तहसील के अंतर्गत आते हैं। जनसुनवाई 3 जुलाई, 2026 को दोपहर 1:30 बजे ग्राम पंचायत भवन, चंदवाड़ में आयोजित की गई थी। इसमें मुख्य रूप से ठीकरियाकलां गांव के प्रस्तावित प्रभाव पर चर्चा की गई।

ठीकरियाकलां के पुरुष और महिला ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर नहर का विरोध किया। उन्होंने मुआवजे के बजाय उपजाऊ जमीन की मांग की और कहा कि यदि उनकी मांग पूरी नहीं हुई तो वे किसी भी कीमत पर नहर को अपनी जमीन से नहीं गुजरने देंगे।

मीटिंग में ईआरसीपी, पी.आई. यू. से अतिरिक्त जिला कलेक्टर भूपेंद्र कुमार यादव और उपमहाप्रबंधक अमित कुमार सेहरा अपनी टीम के साथ मौजूद रहे। अधिकारियों ने किसानों की समस्याएं सुनीं और उन्हें लिखित में सरकार तक पहुंचाने का वादा किया। उन्होंने ग्रामीणों को उनकी संपत्ति का उचित मुआवजा दिलाने का आश्वासन भी दिया। विरोध दर्ज कराने वालों में किमत गुर्जर, रामनाथ गुर्जर, हरनाथ गुर्जर, रामफूल गुर्जर, बद्री गुर्जर, कजोड़ गुर्जर, संजय विजय, सीताराम विजय, दुर्गा शंकर शर्मा, कालूराम गोस्वामी, मदन लोहार, महेश लोहार, गीर्राज गोस्वामी और देवराज गोस्वामी सहित समस्त ग्राम ठीकरियाकलां के निवासी शामिल थे।

# सहकार सप्ताह संवाद के तहत दूनी ग्राम सेवा सहकारी समिति मे विशेष आमसभा का आयोजन

स्मार्ट हलचल|टोंक

राज्य सरकार के निर्देशानुसार टोंक जिले की सभी ग्राम सेवा सहकारी समितियों में सहकार सप्ताह संवाद दिवस के अवसर पर विशेष आमसभा का आयोजन किया गया दूनी ग्राम सेवा सहकारी समिति लि में समिति अध्यक्ष मोतीलाल मेहरा चेयरमैन की अध्यक्षता में विशेष आमसभा का आयोजन किया गया जिसमें सहकार संवाद दिवस के रूप में मनाया गया तथा समिति की अंकेक्षण रिपोर्ट का वाचन, पंच वर्षिय योजना पर चर्चा, विभाग की मुख्य योजना की जानकारी दी गई है तथा समिति सदस्यों ने समिति में गैस एजेंसी लेने का प्रस्ताव सरकार को भेजने व डी ए पी खाद की आपूर्ति समय पर सुनिश्चित करवाने के लिए उच्च अधिकारियों को अवगत करवाने पर जोर दिया सहित अन्य प्रस्ताव पारित किये गये।

इस अवसर पर समिति अध्यक्ष मोतीलाल मेहरा चेयरमैन, उपाध्यक्ष माया शर्मा, डायरेक्टर प्रेम चंद गुर्जर, जगदीश नाड़, श्रवण कोठारी, हेमंत अजमेरा, अशोक कुमार बैरवा, डॉ नरेन्द्र मेहरा एडवोकेट, शिवराज सैनी, कमलेश गुर्जर, व्यवस्थापक गिरिराज गुर्जर, शिव किशन रोझ, प्रभा देवी,लालचंद शर्मा, लक्ष्मी मेहरा सहित अनेक सदस्य मोजूद थे।

# मुआवजे व पानी की किल्लत के बीच कोड शिविर में गूंजी शिकायतें

स्मार्ट हलचल

थांवला। कस्बे ग्राम पंचायत कोड में आयोजित सेवा शिविर में ग्रामीणों ने मुआवजा, पेयजल संकट और अन्य जनसमस्याओं को लेकर अधिकारियों के समक्ष अपनी शिकायतें रखीं। शिविर में ग्रामीणों ने विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याओं के समाधान की मांग की।

शिविर में रेलवे लाइन के लिए अधिग्रहित भूमि के मुआवजा प्रकरणों से जुड़े किसानों की सबसे अधिक भीड़ रही। किसानों ने आवश्यक दस्तावेज संबंधित अधिकारियों को सौंपते हुए मुआवजा प्रक्रिया में शीघ्र कार्रवाई की मांग की व लंबे समय से बनी पेयजल समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की। इसी दौरान निरीक्षण के लिए आए संभागीय आयुक्त शक्ति सिंह ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया और आमजन को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की समस्या का संवेदनशीलता और प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए।

इसी दौरान शिविर में केक काटकर'बेटी जन्मोत्सव' कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। नवजात बेटियों के जन्म पर परिवारों का

सम्मान किया गया तथा बेटी शिक्षा, स्वास्थ्य और समान अधिकारों का संदेश दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि बेटियां समाज की शक्ति हैं और उनके सम्मान व सशक्तिकरण के लिए सभी को मिलकर कार्य करना चाहिए।

शिविर में उपखंड अधिकारी विनीत कुमार सुखाड़िया, तहसीलदार अशोक कुमार, नायब तहसीलदार प्रेम कुमार, विकास अधिकारी भंवरलाल सहायक विकास अधिकारी सुखराम मेघवाल,ग्राम विकास अधिकारी सुमन शर्मा,कनिष्ठ सहायक (1) टिकमचन्द, ओम सिंह,कनिष्ठ सहायक चेनाराम ,पटवारी राकेश कुमार, प्रशासक दौलत राम रावल,शिविर में राजस्व, पंचायत राज, ग्रामीण विकास, कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, सामाजिक न्याय, पीएचईडी, विद्युत, वन, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, सहकारिता, श्रम, बैंक, परिवहन तथा ई-मित्र सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

# सफाई कर्मियों, पुलिसकर्मियों एवं आश्रम कर्मचारियों का किया सम्मान

स्मार्ट हलचल|कोटा

सामाजिक सरोकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता निभाते हुए रोटरी क्लब पद्मिनी ने मासिक सेवा कार्यक्रम के तहत सफाई कर्मियों, पुलिसकर्मियों तथा अपना घर आश्रम के कर्मचारियों का सम्मान कर उन्हें उपयोगी सामग्री भेंट की।

कार्यक्रम के अंतर्गत शहर की स्वच्छता व्यवस्था में योगदान देने वाले सफाई कर्मियों को झाड़ू, फिनाइल, कास्टिक सोडा सहित अन्य आवश्यक सफाई सामग्री वितरित की गई। क्लब अध्यक्ष दीप्ति राजावत ने कहा कि स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज के

निर्माण में सफाई कर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा उनके श्रम और समर्पण का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है।

इसके बाद शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में निरंतर सेवाएं दे रहे पुलिसकर्मियों का माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। क्लब पदाधिकारियों ने उनकी कर्तव्यनिष्ठा और जनसुरक्षा के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के तीसरे चरण में अपना घर आश्रम के कर्मचारियों का भी माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। क्लब सचिव डॉ. प्रीति ने कहा कि निराश्रित एवं जरूरतमंद लोगों की सेवा में समर्पित आश्रम कर्मियों का योगदान समाज के लिए प्रेरणादायी है।

इस अवसर पर क्लब उपाध्यक्ष मंजू यादव, गुरप्रीत आनंद, शशि अग्रवाल, दीप्ति गुप्ता, रंजना सेठी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर क्लब ने समाजहित, स्वच्छता और जनकल्याण से जुड़े सेवा कार्यों को भविष्य में भी निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

# शहरी सेवा शिविर में विमला को मिला अपने आशियाने का मालिकाना हक

स्मार्ट हलचल|बूंदी

अपना घर सिर्फ ईंट-पत्थरों का ढांचा नहीं, बल्कि एक परिवार के आत्मसम्मान और सुरक्षा की ढाल होता है। यह बात बूंदी के कुम्भा नगर (छत्रपुरा) की रहने वाली विमला साहू के मामले में बिल्कुल सच साबित हुई। राज्य सरकार के निर्देशानुसार आयोजित 'शहरी सेवा शिविर 2026' उनके जीवन में एक नई उम्मीद की किरण लेकर आया। लंबे समय से अपने आशियाने के मालिकाना हक (पट्टे) का इंतजार कर रही विमला का सपना आखिरकार इस शिविर में साकार हुआ और उन्हें मौके पर ही उनके घर का वैध पट्टा सौंप दिया गया।

पट्टा हाथ में पाकर विमला साहू के चेहरे पर खुशी साफ छलक रही थी। उन्होंने भावुक होते हुए कहा, 'सालों से इस कागज का इंतजार था। आज नगर परिषद के इस शिविर ने हमारी चिंता दूर कर दी। उन्होंने इसके लिए राज्य सरकार एवं प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

# विबी जीरामजी योजना में मिलेगा 125 दिन का रोजगार: विधायक आक्या

**चित्तौड़गढ़।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास पथ पर तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। सरकार का उद्देश्य आमजन को रोजगार उपलब्ध कराने के साथ गांवो में स्थाई विकास कार्य कराना है।

विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने विकसित भारत जी राम जी विधेयक लागु होने पर ग्राम पंचायत ओछड़ी में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीणो को संबोधित करते हुए कहा कि भारत सरकार द्वारा लागु विकसित भारत जी राम जी योजना में अब पात्र ग्रामीणों को 100 के स्थान पर 125 दिन का रोजगार उपलब्ध होगा, इससे ग्रामीणों की आय बढ़ने के साथ गांव आत्मनिर्भर बनेगें। इस दौरान विधायक आक्या द्वारा भण्डारिया मार्ग पर स्थित पंचायत की भूमि पर पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर विकास अधिकारी समुन्द्र

सिंह, सहायक अभियंता भरत व्यास, भाजपा सावा ग्रामीण मण्डल अध्यक्ष अनिल सुखवाल, प्रशासक मुकेश गुर्जर, दशरथ मेनारिया, मदन सिंह भाटी, ग्राम विकास अधिकारी मुबारिक खान, दुष्यंत सिंह, औंकार सिंह, श्यामलाल ओड़, अनिल शर्मा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

# जोधपुर-चैन्नई बीच के मध्य साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन कोटा मंडल से होकर संचालित हो रही

## सवाईमाधोपुर, सोगरिया, बारां एवं छबड़ा गुगोर स्टेशनों से यात्रियों को मिल रही है अतिरिक्त सुविधा

स्मार्ट हलचल|कोटा

ग्रीष्मावकाश के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन द्वारा जोधपुर-चैन्नई बीच एवं एमजीआर चैन्नई सेंट्रल-जोधपुर के मध्य साप्ताहिक समर स्पेशल रेलसेवा का संचालन किया जा रहा है। यह विशेष ट्रेन पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल अंतर्गत सवाई माधोपुर, सोगरिया, बारां एवं छबड़ा गुगोर स्टेशनों से होकर गुजर रही है, जिससे मंडल के यात्रियों को आवागमन की अतिरिक्त सुविधा प्राप्त हो रही है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ जैन ने बताया कि गाड़ी संख्या 04815 जोधपुर-चैन्नई बीच साप्ताहिक स्पेशल दिनांक 27 जून 2026 से 25 जुलाई 2026 तक (05 ट्रिप) प्रत्येक शनिवार को जोधपुर से 21:20 बजे रवाना होकर सोमवार को 20:00 बजे चैन्नई बीच पहुँचती है। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 04816 एमजीआर चैन्नई सेंट्रल-जोधपुर साप्ताहिक स्पेशल दिनांक 30 जून 2026 से 28 जुलाई 2026 तक (05 ट्रिप) प्रत्येक मंगलवार को एमजीआर चैन्नई सेंट्रल से 17:15 बजे रवाना होकर गुरुवार को 20:30 बजे जोधपुर पहुँचती है।

यह गाड़ी रास्ते में दोनों दिशाओं में मेड़ता रोड, डेगाना, मकराना, कुचामन सिटी, फुलेरा, जयपुर, दुर्गापुरा, सवाई माधोपुर, सोगरिया, बारां, छबड़ा गुगोर, रूठियाई, गुना, बीना, भोपाल, इटारसी, नागपुर, बल्लारशाह, सिरपुर कागजनगर, मंचिर्याल, वरंगल, खम्मम, विजयवाड़ा, बापटला, चीराला, ओंगोल, नेल्लोर, गुडूर एवं नायडुपेटा स्टेशनों पर रुकती है।

इस विशेष रेलसेवा में 02 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, 15 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी तथा 02 गार्ड/सामान यान सहित कुल 19 कोच लगाए गए हैं।

# जन्मदिन को बनाया सेवा और पर्यावरण का पर्व, चिराग मेघवाल ने साथियों संग बांटे पौधे और केरी-पानी

स्मार्ट हलचल

**ब्यावर।** राष्ट्रीय भ्रष्टाचार निरोधक एवं मानव अधिकार संस्था (ब्यावर) के युवा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष चिराग मेघवाल ने अपना जन्मदिवस सादगी, सेवा और सामाजिक सरोकारों के साथ मनाकर एक प्रेरणादायक मिसाल पेश की है। उन्होंने इस अवसर पर फिजूलखर्ची से दूर रहकर पर्यावरण और जनसेवा को प्राथमिकता दी।

### स्कूल में किया ट्री-गार्ड सहित पौधारोपण

जन्मदिवस के उपलक्ष्य में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, गोविन्दपूरा में एक विशेष पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहाँ पौधों को सुरक्षित रखने

के लिए ट्री-गार्ड भी लगाए गए। इस दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा और राष्ट्र निर्माण का संदेश देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कार्यक्रम के अंत में सभी ने पौधों की देखरेख का संकल्प लिया।

### चांग गेट पर राहगीरों को पिलाया 'केरी-पन्ना'

इसके बाद ब्यावर के व्यस्त चांग गेट पर भीषण गर्मी को देखते हुए राहगीरों और आम जनता के लिए ठंडे 'केरी-पानी' (आम पन्ना) की स्टॉल लगाई गई। तपती धूप में सफर कर रहे बड़ी संख्या में लोगों ने इसका लाभ उठाया और युवा टीम की इस सेवा भावना की जमकर सराहना की।

### केक काटने की जगह संकल्प लेने का दिन: चिराग

इस मौके पर चिराग मेघवाल ने कहा, 'जन्मदिन केवल केक काटने या जश्न मनाने का अवसर नहीं है, बल्कि यह प्रकृति और मानवता के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने का दिन है। एक पौधा आने वाली पीढ़ियों को जीवन देता है और प्यासे को पानी पिलाना सबसे बड़ा धर्म है।'

### यह रहे उपस्थित:

कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती आरती अमरावत सहित स्टाफ के गणपत सिंह चौहान, अशोक चौधरी, चंदन कुमावत, निशा चावरिया, रोशन मीणा, पूजा कुमारी, सुनीता सिंह, लता प्रजापति, सुनीता शर्मा, हेमलता और राधा चौहान मौजूद रहे। वहीं संस्था व समाज की ओर से ईश्वर तंवर, लेखराज, मुकेश, नेनाराम, सुनील धोधावत, विनोद मिंडल, अनिल कटारिया, महेंद्र तंवर, रमेश मेहरा, बाबूलाल गुजरिया, नरेंद्र कतीरिया, ओमप्रकाश बरवड़, रतनलाल,शशिकांत, ताराचंद, तेजाराम, सूरमा, सुरेंद्र चणिया, लोकेश धोधावत और रोहित सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। सभी ने चिराग मेघवाल के दीर्घायु व उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

# प्लास्टिक बैग से जकड़ी जीवन-शैली से पर्यावरण तबाह

अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस

ललित गर्ग

**आज विश्व में हर वर्ष लगभग 40 करोड़ टन प्लास्टिक का उत्पादन हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अनुसार इसका एक बड़ा हिस्सा केवल एक बार उपयोग के बाद कचरे में बदल जाता है। अनुमान है कि प्रतिवर्ष लगभग 1.1 से 1.4 करोड़ टन प्लास्टिक समुद्रों में पहुँच जाता है। यदि यही स्थिति बनी रही तो वर्ष 2050 तक समुद्रों में मछलियों से अधिक प्लास्टिक होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। यह केवल एक आँकड़ा नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के लिए भयावह भविष्य का संकेत है।**

पृथ्वी आज जिस सबसे बड़े पर्यावरणीय संकट से जूझ रही है, उसमें जलवायु परिवर्तन, जैव-विविधता का क्षरण और प्रदूषण के साथ-साथ प्लास्टिक प्रदूषण भी एक गंभीर वैश्विक चुनौती बन चुका है। कभी आधुनिक जीवन की सुविधा और विकास का प्रतीक मानी जाने वाली प्लास्टिक आज मानव सभ्यता के लिए अभिशाप सिद्ध हो रही है। विशेष रूप से सिंगल-यूज प्लास्टिक बैग ने हमारी जीवन-शैली को इतना जकड़ लिया है कि उससे मुक्ति के बिना न स्वच्छ पर्यावरण की कल्पना की जा सकती है और न ही स्वस्थ भविष्य की। इसी चिंता को लेकर प्रतिवर्ष 3 जुलाई को 'अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस' मनाया जाता है। यह केवल एक औपचारिक दिवस नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए चेतावनी का दिन है कि यदि अब भी हमने अपनी आदतें नहीं बदलीं तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें कभी क्षमा नहीं करेंगी।

आज विश्व में हर वर्ष लगभग 40 करोड़ टन प्लास्टिक का उत्पादन हो रहा है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के अनुसार इसका एक बड़ा हिस्सा केवल एक बार उपयोग के बाद कचरे में बदल जाता है। अनुमान है कि प्रतिवर्ष लगभग 1.1 से 1.4 करोड़ टन प्लास्टिक समुद्रों में पहुँच जाता है। यदि यही स्थिति बनी रही तो वर्ष 2050 तक समुद्रों में मछलियों से अधिक प्लास्टिक होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। यह केवल एक आँकड़ा नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के लिए भयावह भविष्य का संकेत है। सबसे अधिक चिंता का विषय यह है कि प्लास्टिक अब केवल धरती पर बिखरा कचरा नहीं रहा, बल्कि हमारे शरीर का भी हिस्सा बन चुका है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि हवा, पानी, भोजन, नमक, दूध, शहद और यहाँ तक कि मानव रक्त, फेफड़ों तथा गर्भनाल में भी माइक्रोप्लास्टिक के कण पाए जा चुके हैं। एक सामान्य व्यक्ति प्रतिवर्ष हजारों सूक्ष्म प्लास्टिक कण भोजन, पेयजल और साँस के माध्यम से अपने शरीर में पहुँचा रहा है। यह स्थिति कैंसर, हार्मोनल असंतुलन, हृदय रोग, प्रजनन संबंधी समस्याओं और प्रतिरक्षा तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव जैसी अनेक स्वास्थ्य चुनौतियों को जन्म दे रही है।

आधुनिक जीवनशैली में प्लास्टिक बैग हमारी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं। सब्जी और किराने की खरीदारी से लेकर कपड़े, दवाइयाँ, भोजन, ऑनलाइन डिलीवरी, उपहार पैकिंग और घरेलू सामान तक लगभग हर कार्य में प्लास्टिक बैग का उपयोग हो रहा है। सुविधा और सस्तेपन के कारण इनका प्रयोग लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे हमारा जीवन मानो प्लास्टिक की गिरफ्त में आ गया है। एक बार उपयोग के बाद फेंके जाने वाले ये बैग पर्यावरण, जल स्त्रोतों, वन्यजीवों और मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन चुके हैं। इसलिए समय की मांग है कि हम कपड़े, जूट या कागज के थैलों को अपनाकर प्लास्टिक बैग से मुक्ति का संकल्प लें।

प्लास्टिक केवल मनुष्य के स्वास्थ्य का ही नहीं, बल्कि सम्पूर्ण पर्यावरण का भी शत्रु है। यह मिट्टी की उर्वरता को कम करता है, जल स्त्रोतों को प्रदूषित करता है, नालियों को जाम कर शहरी बाढ़ का कारण बनता है तथा पशु-पक्षियों और समुद्री जीवों की असमय मृत्यु का कारण बनता है। गायों के पेट से कई-कई किलो प्लास्टिक निकलने की घटनाएँ अब सामान्य हो गई हैं। समुद्री कछुए, डॉल्फिन, व्हेल और पक्षी प्लास्टिक को भोजन समझकर निगल लेते हैं और धीरे-धीरे मृत्यु का शिकार बन जाते हैं। इस प्रकार प्लास्टिक केवल पर्यावरण नहीं, बल्कि जीवन के पूरे जैविक तंत्र को नष्ट कर रहा है। विडम्बना यह है कि प्लास्टिक का सबसे बड़ा आकर्षण उसकी सुविधा है और यही सुविधा सबसे बड़ा संकट बन गई है। कुछ मिनटों के उपयोग के लिए बना प्लास्टिक बैग सैकड़ों वर्षों तक नष्ट नहीं होता। जिस वस्तु का उपयोग हम कुछ मिनट करते हैं, उसका दुष्प्रभाव कई पीढ़ियाँ भुगतती हैं। सुविधा की यह संस्कृति वास्तव में विनाश की संस्कृति बनती जा रही है।

भारत में भी प्लास्टिक प्रदूषण एक गंभीर चुनौती है। देश में प्रतिदिन हजारों टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता है, जिसका बड़ा भाग खुले में पड़ा रहता है या नदियों एवं समुद्र तक पहुँच जाता है। विभिन्न राज्यों ने सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया है, किन्तु प्रतिबंध का प्रभाव तभी दिखाई देगा जब समाज स्वयं इसके प्रति जागरूक होगा। केवल कानून से आदतें नहीं बदलतीं, उसके लिए सामाजिक चेतना आवश्यक होती है। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने इस दिशा में अनेक सकारात्मक पहल की हैं। स्वच्छ भारत अभियान, सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध, विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व जैसी नीतियाँ महत्त्वपूर्ण कदम हैं। किंतु इनकी सफलता तभी संभव है जब उद्योग, व्यापार, स्थानीय निकाय और आम नागरिक समान रूप से अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

आज आवश्यकता केवल प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने की नहीं, बल्कि जीवनशैली बदलने की है। जब तक हमारी खरीदारी की आदतें नहीं बदलेंगी, तब तक प्लास्टिक का उपयोग कम नहीं होगा। कपड़े या जूट का थैला साथ रखना, पुनः उपयोग योग्य बोतलों और डिब्बों का प्रयोग करना, अनावश्यक पैकेजिंग से बचना तथा स्थानीय स्तर पर पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों को बढ़ावा देना-ये छोटे-छोटे कदम बड़े परिवर्तन का आधार बन सकते हैं। उद्योगों की भी बड़ी जिम्मेदारी है। उत्पादों की पैकेजिंग को पर्यावरण-अनुकूल बनाना, पुनर्चक्रण योग्य सामग्री का उपयोग करना और प्लास्टिक कचरे के संग्रह एवं पुनर्चक्रण की व्यवस्था सुनिश्चित करना समय की माँग है। केवल लाभ कमाने की मानसिकता से प्रकृति का संरक्षण संभव नहीं है। उद्योगों को 'ग्रीन बिजनेस' की दिशा में आगे बढ़ना होगा। शिक्षा संस्थानों की भूमिका भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। यदि विद्यालयों और महाविद्यालयों में पर्यावरणीय जीवनशैली को व्यवहार का हिस्सा बनाया जाए, बच्चों को कपड़े के थैले उपयोग करने, प्लास्टिक-मुक्त परिसर बनाने और पर्यावरण संरक्षण की गतिविधियों से जोड़ा जाए, तो आने वाली पीढ़ियाँ अधिक संवेदनशील बनेंगी। पर्यावरण शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तक का विषय नहीं, बल्कि जीवन का संस्कार बननी चाहिए।

आज पूरी दुनिया 'सर्कुलर इकोनॉमी' की ओर बढ़ रही है, जहाँ उत्पादों का पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण और संसाधनों का न्यूनतम दोहन प्रमुख लक्ष्य है। भारत के लिए भी यही भविष्य का मार्ग है। यदि हम पारंपरिक भारतीय जीवन-पद्धति को देखें तो वहाँ कपड़े के झोले, मिट्टी के बर्तन, धातु के पात्र और प्राकृतिक संसाधनों का पुनः उपयोग सामान्य जीवन का हिस्सा थे। आधुनिकता के नाम पर हमने इन्हें छोड़ दिया और प्लास्टिक को अपना लिया। अब समय आ गया है कि आधुनिक विज्ञान और भारतीय परंपरा का समन्वय करते हुए टिकाऊ जीवनशैली अपनाई जाए। यह भी समझना होगा कि प्लास्टिक प्रदूषण केवल सरकार का विषय नहीं है। यह प्रत्येक नागरिक की व्यक्तिगत जिम्मेदारी है। जिस दिन प्रत्येक व्यक्ति यह संकल्प ले ले कि वह प्लास्टिक बैग स्वीकार नहीं करेगा, उसी दिन इस समस्या का बड़ा समाधान प्रारम्भ हो जाएगा। बाजार वही वस्तु देता है जिसकी माँग होती है। यदि माँग समाप्त होगी तो आपूर्ति भी स्वतः कम हो जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस हमें केवल प्लास्टिक छोड़ने का संदेश नहीं देता, बल्कि यह प्रकृति के साथ हमारे रिश्ते को पुनर्जीवित करने का अवसर भी है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि पृथ्वी हमारे पूर्वजों की विरासत नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की धरोहर है। यदि हम इसे सुरक्षित नहीं रख पाए तो विकास के सारे दावे अर्थहीन हो जाएँगे। महात्मा गांधी ने कहा था-'प्रकृति प्रत्येक मनुष्य की आवश्यकता पूरी कर सकती है, लेकिन किसी एक के लालच को नहीं।' आज यह कथन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। प्लास्टिक का अनियंत्रित उपयोग हमारी आवश्यकताओं का नहीं, बल्कि उपभोक्तावादी लालच का परिणाम है।

आइए इस 3 जुलाई को केवल एक दिवस न मानें, बल्कि एक जन-आंदोलन का प्रारंभ करें। अपने घर, परिवार, विद्यालय, कार्यालय और बाजार से प्लास्टिक बैग को विदा करने का संकल्प लें। कपड़े का थैला हमारी पहचान बने, पर्यावरण हमारी प्राथमिकता बने और स्वच्छ पृथ्वी हमारी विरासत बने। जब प्लास्टिक का उपयोग घटेगा, तभी प्रकृति मुस्कुराएगी, जब प्रकृति मुस्कुराएगी, तभी मानवता का भविष्य सुरक्षित होगा। यही अंतर्राष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस का वास्तविक संदेश है और यही हमारे समय का सबसे बड़ा पर्यावरणीय धर्म भी।

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)

## संपादकीय

### पर्यटक सीजन की घिसाई

हिमाचल में जून का महीना, कितना पसीना और कितना सुकून से जीना की अवधारणा से पर्यटन की मांग को निरूपित करता रहा है। हम मान सकते हैं कि विभिन्न पर्यटक स्थलों पर होटलों में ऑक्यूपेंसी सौ फीसदी चल रही है, लेकिन ऐसे उफनते पर्यटन से कितने किनारे टूटे, इस पर गौर नहीं। अगर ऑक्यूपेंसी सौ या सौ प्रतिशत से ऊपर है, तो इसके साइड व अशोभनीय फैक्टर भी होंगे। क्या सौ फीसदी या इससे ऊपर ऑक्यूपेंसी के रिकार्ड पर खुश हों या इस खनक से पैदा हुए खनन को पहचानें। एक पर्यटक वह भी है जो वाहनों को सडक किनारे खड़े करके बस स्टॉप या वर्षाश्रालय में पनाह लेता है। कुछ डेस्टिनेशन पर्यटक ऑक्यूपेंसी के साइड इफैक्ट के रूप में कहीं अन्यत्र चले जाते हैं। मसलन मकलोडगंज फुल हो गया, तो सैलानी कांगड़ा घाटी के अलग-अलग स्थानों को कूच कर जाते हैं, लेकिन ट्रैफिक जाम के सिलसिलों में पूरे सीजन की घिसाई हो गई। कहना न होगा कि बढ़ते पर्यटन से हिमाचल की सादगी, विनम्रता और सदाशयता को खतरा पैदा हो रहा है। ऐसा लगता है कि सोशल मीडिया पर कोई वीडियो युद्ध चल रहा है। बेशक कुछ सिरफिरे पर्यटक भी सामाजिक, सांस्कृतिक मान्यताओं के विपरीत हिमाचल में माहौल खराब करते हैं, लेकिन यह भी सच है कि प्रदेश की पर्यटन अधोसंरचना व व्यवस्था अपूर्णनीय व अक्षम है। बाहर से आने वाला पर्यटक किसी डेस्टिनेशन पर नहीं, बल्कि प्रवेश द्वार पर पर्यटक माना जाए, इसके लिए पंजीकरण तथा ऐप के जरिए संचालन चाहिए। प्रवेश द्वारों पर ही ऐप पर पंजीकरण से रूट तथा ठहराव चिन्हित हो और अगर किसी कारण कहीं अत्यंत भीड़ या अनियंत्रित भीड़ है, तो सैलानियों को विकल्प देकर उन्हें सहूलियत प्रदान की जाए। मकलोडगंज में रिहाइश न मिलने पर ही पर्यटक क्यों पालमपुर या समीपवर्ती स्थलों का रुख अख्तियार करे। यह तो पंजीकरण करते वक्त ही ऐप सुनिश्चित कर सकती है। इसी परिप्रेक्ष्य में सडकों के विकल्प, वन-वे परिवहन की सुविधा तथा होटलों में बुकिंग की स्थिति प्रदर्शित हो सकती है। पिछले कई सालों से प्रमुख पर्यटक स्थलों से खाली हाथ लौटते पर्यटकों की सहूलियत के लिए क्या किया। बिना बुकिंग के कई परिवार अगर भटकते हैं, तो उनके लिए रेस्ट हाउस बुकिंग का एक विकल्प पैदा करना होगा था इन्हें इमरजेंसी राहत का कोई आश्वासन मिलना चाहिए। सरकार जून के महीने में आपात की स्थिति में भूखे-प्यासे या बिना प्री बुकिंग के भटकते सैलानियों के लिए राहत का बंदोबस्त करे। इसके लिए रेस्ट हाउस व छात्रावासों में भुगतान के साथ इंतजाम हो सकता है। इसी सीजन में फॉरेस्ट विभाग के दखल से कुछ डाक बंगले अगर छह लाख कमा सकते हैं, तो एक तैयारी के तहत सारे रेस्ट हाउस शिरकत कर सकते हैं। जून का पर्यटक सीजन एक चुनौती बनता जा रहा है, लिहाजा सभी विभागों की समन्वय समितियां बना कर योजनाएं व बंदोबस्त होने चाहिएं।

## चिंतन-मनन

### कोई भी परिस्थिति हो, ये काम कभी बंद ना करें

अपने विचारों का मूल्यांकन करना कभी भी बंद न करें, क्योंकि विचारों का प्रवाह अनवरत और कभी-कभी अत्यधिक भी हो जाता है। हर नया विचार पुराने को चुनौती देता है। यहीं से भ्रम भी पैदा होता है और कभी-कभी अधिक विचार आने से निर्णय भी गलत हो जाते हैं। रावण के साथ यही हुआ। वह बहुत विद्वान था। लिहाजा उसके भीतर विचारों की भरमार थी।

सुंदरकांड का दृश्य है। रावण के दरबार में हनुमानजी निर्भीक खड़े थे। दोनों का वातार्लाप शुरू होता है।

कह लंकेस कवन तैं कीसा। केहि कें बल घालेहि बन खीसा।।

की धौं श्रवन सुनेहि नहिं मोही। देखउं अति असंक सठ तोही।।

लंकापति रावण ने कहा - रे वानर! तू कौन है? किसके बल पर तूने वन को उजाड़कर नष्ट कर डाला? क्या तूने कभी मेरा नाम और यश नहीं सुना? रे शठ! मैं तुझे अत्यंत निरूशंक देख रहा हूं।

मारे निसिचर केहिं अपराधा। कहु सठ तोहि न प्रान कइ बाधा।। तूने किस अपराध से राक्षसों को मारा? बता, क्या तुझे प्राण जाने का भय नहीं है? यहां रावण ने हनुमानजी से पांच प्रश्न पूछे। इन शब्दों में अहंकार भरा हुआ था। रावण ने अपने ही विचारों को शब्दों से जोड़ने के लिए अहंकार का सेतु बनाया, जबकि विश्लेषण के साथ शब्द प्रस्तुत करने थे, क्योंकि सामने हनुमानजी खड़े थे।

हनुमानजी की विशेषता यही थी कि वे अपने विचारों का मूल्यांकन करते रहते थे। दरअसल रावण यह मानता ही नहीं था कि वह अहंकारी है। उसके हिसाब से तो जो वह कर रहा होता था, वही सही माना जाए। उसके पास सबकुछ होने के बाद भी वह अव्वल दर्जे का भिखारी था। यहीं से हनुमानजी उसे बुद्धि का दान देना शुरू करते हैं।

# ईरान का आमंत्रण, भारत के लिए रिश्ते सुधारने का एक मौका

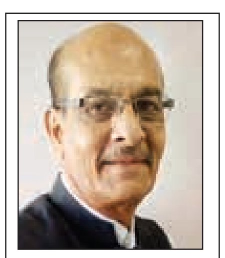

सनत जैन

ईरान के सुप्रीम लीडर रहे धर्मगुरु अयातुल्लाह अली खामेनेई के अंतिम संस्कार की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। ईरान की सरकार ने दुनिया के सैकड़ों राष्ट्रीय स्तर के नेताओं और शासकों को उनके अंतिम संस्कार में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। ईरान की सरकार ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, कांग्रेस के नेता पवन खेड़ा, पूर्व केंद्रीय विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद, जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती और जैन संत जो अहिंसा विश्वा भारती के संस्थापक हैं आचार्य लोकेश मुनि को भी आमंत्रण भेजा है। जैन मुनि ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि वह शांति और सद्भाव के लिए ईरान जाएंगे। अमेरिका के डेमोक्रेटिक और रिपब्लिक पार्टी के नेता भी ईरान जा रहे हैं। इस अवसर पर लगभग 2 करोड़ लोग खामनेई को श्रद्धांजलि देने के लिए ईरान में एकत्रित हो रहे हैं। भारत सरकार की ओर से जो शुरूआती संकेत मिले हैं, उसके अनुसार भारत सरकार का प्रतिनिधित्व बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन और विदेश राज्य मंत्री पवित्र मार्गेरिटा करेंगे। भारत के साथ ईरान के बहुत पुराने सांस्कृतिक एवं राजनीतिक रिश्ते रहे हैं। दोनों देशों के बीच में शिक्षा, व्यापार और संस्कृति को लेकर बड़े घनिष्ठ संबंध रहे हैं। पिछले कई दशकों में जब भी भारत को ईरान की जरूरत पड़ी ईरान भारत के साथ खड़ा रहा। पिछले कुछ वर्षों में भारत की नजदीकी अमेरिका और इजराइल के साथ बढी। इसके साथ ही भारत और ईरान के संबंधों में वह मधुरता नहीं रही जो उसके पहले होती थी। ईरान ने भारत के साथ राजनीतिक, कूटनीतिक और व्यापारिक संबंध हमेशा बनाए रखे। यहां तक की जब अमेरिका ने ईरान के ऊपर प्रतिबंध लगाए उस समय ईरान सरकार ने भारत को भारतीय मुद्रा में न केवल कच्चा तेल सप्लाई किया वरन उतनी ही कीमत का सामान भारत से आयात करके अपने रिश्तों को बेहतर बनाए रखने का हर संभव प्रयास किया।

समय के साथ बदलाव आते हैं पिछले कुछ वर्षों में भारत की इजराइल के साथ नजदीकी बढ़ती रही और ईरान के साथ दूरी बढ़ती गई। भारत को ऐसा लगता था कि अमेरिका और इजराइल अजेय हैं। भारत ने ईरान की उपेक्षा शुरू कर दी। भारत की विदेश नीति में एक बड़ा बदलाव आ गया। ईरान और भारत के रिश्तों में एक बड़ा तनाव तब देखने को मिला जब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इजराइल जाकर यह कह दिया कि इजराइल फादरलैंड है। उसके दो दिन बाद इजराइल और अमेरिका ने मिलकर ईरान पर हमला कर दिया। वर्तमान स्थिति में अमेरिका और इजराइल को इस युद्ध में भारी नुकसान उठाना पड़ा है। ईरान आज एक विजेता के रूप में फिर से एक महत्वपूर्ण स्थिति में आ गया है। ईरान की सरकार अभी भी भारत के साथ अपने पुराने रिश्तों को ध्यान में रखते हुए अपने संबंध बेहतर बनाने की दिशा में आगे बढ़ता हुआ दिख रहा है। ऐसी स्थिति में भारत सरकार को जो रिश्ते बिगड़ चुके हैं उनको एक बार फिर पटरी में लाने का मौका है। अमेरिका और इजराइल के हमले में सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई सहित कई बड़े योद्धा तथा ईरान के स्कूल में पढ़ने वाली 165 से ज्यादा बच्चियों की मौत हुई थी। उस समय भारत ने चुप्पी साध रखी थी। भारत ने ईरान के अनुरोध करने के बाद भी ब्रिक्स संगठन देशों की बैठक नहीं बुलाई। अब स्थिति बहुत हद तक साफ हो चुकी है। ऐसे समय पर भारत सरकार को ईरान के साथ अपने रिश्ते बेहतर बनाने के लिए दुख की इस घड़ी में ईरान जाकर घाव में मलहम लगाने की जरूरत है। इस मौके पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिन लोगों को ईरान ने आमंत्रित किया है, उनमें शामिल हैं। उन्हें भारतीय दल के रूप में साथ ले जाकर ईरान के साथ भारत के रिश्ते फिर बेहतर बनाने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। इस समय जो अवसर मिला है, इसका लाभ उठाया जा सकता है।

# पारिवारिक और सामाजिक पुनर्वास की मानवीय पहल

उमेश चतुर्वेदी

अभी हाल ही में पिता दिवस गुजरा है। इस दिन सोशल मीडिया समेत तमाम जगहों पर हुई चचाओं में एक बात प्रमुखता से छायी रही। ऐसा कहा गया कि पिता बनने के बाद लोगों की शख्सियत में बदलाव आ जाता है। चूंकि जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं, लिहाजा इन दायित्वों के चलते कठोर से कठोर हृदय वाला व्यक्ति भी नरम हो जाता है। छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने जब पूर्व नक्सलियों की जबरिया कराई गई नसबंदी को खोलने वाले जटिल ऑपरेशन को हरी झंडी दिखाई, पता नहीं, उसके दिमाग में यह तथ्य था या नहीं। लेकिन उसकी इस कोशिश से कभी इंन्सानी खून से लाल रही बस्तर की धरती के कई आंगन किलकारियां गूंज रही हैं।

देश के एक तिहाई जिलों पर लाल आतंक के रूप में कुख्यात रहा नक्सलवाद अब आखिरी सांसें गिन रहा है। गृहमंत्री अमित शाह के दावे के मुताबिक, 31 मार्च 2026 तक देश तकरीबन नक्सलमुक्त हो चुका है। इस दौरान सुरक्षा बलों से मुठभेड़ में ज्यादातर बड़े नक्सली कमांडर मारे जा चुके हैं, या कई ने आत्मसमर्पण कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 2700 नक्सली आत्म समर्पण कर चुके है। इन पूर्व नक्सलियों के पुनर्वास के लिए केंद्रीय सहयोग के साथ नक्सल प्रभावित राज्यों की सरकारें कई सारी योजनाएं चला रही हैं। नक्सलवाद से सर्वाधिक प्रभावित रहे छत्तीसगढ़ और झारखंड में आर्थिक सहयोग, रोजगार, घर आदि की सुविधाएं दी जा रही हैं। इससे नक्सलियों के पुनर्वास को गति मिली है। लेकिन पूर्व नक्सलियों के पुनर्वास कार्यक्रमों में एक अनूठी मुहिम चलाई जा रही है। यह विशेष मुहिम सिर्फ छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ही चला रही है। इस मुहिम को पारिवारिक और सामाजिक पुनर्वासन कहा जा सकता है।

दरअसल नक्सली संगठनों में फील्ड कार्य कर रहे नक्सलियों के लिए अमानवीय प्रथा थी। फील्ड में काम कर रहे कम उम्र के नक्सलियों की अमानवीय तरीके से जबरिया नसबंदी करा दी जाती थी, ताकि नक्सली कार्य करते वक्त वे अपना परिवार न बढ़ा सकें। नक्सली संगठनों में महिला नक्सली भी सक्रिय थीं, उनके बीच रिश्ते पनपने संभव थे। लेकिन उन रिश्तों से बच्चे ना हों, इसलिए पुरूष नक्सलियों को जबरदस्ती नसबंदी के लिए मजबूर किया गया। जिनमें बहुत सारे नक्सलियों की उम्र बेहद कम थी। लेकिन सरकारी मुहिम के बाद जब उन्होंने आत्मसमर्पण किया तो उनके मन में भी परिवार बसाने और अपने घर-आंगन में किलकारी गूंजने की चाहत जगी। चूंकि इनकी नसबंदी हो चुकी थी, लिहाजा इन्हें मन-मसोस कर रह जाना पड़ता था। छत्तीसगढ़ सरकार इन्हीं समर्पित प्रजनन उम्र वाले नक्सलियों के लिए पारिवारिक तौर पर ज्यादा सक्रिय होने के लिए यह मानवीय पहल शुरू की है।

पशुपति यानी नेपाल से लेकर तिरूपति यानी आंध्र के जंगली गलियारे तक तूती बोलने के दौर में छत्तीसगढ़ का बस्तर संभाग सबसे ज्यादा नक्सल प्रभावित था। खूंखार नक्सलियों के लिए कुख्यात इसी बस्तर संभाग से छत्तीसगढ़ सरकार ने मानवीय पहल शुरू की है। इसके तहत प्रजनन की उम्र वाले उन नक्सलियों का रिवर्स वैसेक्टॉमी शुरू किया है। नसबंदी करा चुके लोगों के लिए रिवर्स वासेक्टॉमी एक तरह से उनकी नसों को फिर से खोलने और उन्हें प्रजनन योग्य बनाने की जटिल प्रक्रिया है। छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने इस अनूठी पहल को यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के विशेषज्ञों की मदद से शुरू किया है। 14 जून तक के आंकड़ों के अनुसार, दो चरणों में 73 पूर्व नक्सलियों की नसबंदी खोलने का ऑपरेशन पूरा किया जा चुका है। पहले चरण में 33 पूर्व नक्सलियों को खुशहाल जिंदगी गुजारने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए इस ऑपरेशन को अंजाम दिया गया तो दूसरे चरण में 40 पूर्व नक्सलियों की नसबंदी को खोला गया। पहले चरण में जिन 33 पूर्व नक्सलियों की नसबंदी खोलने की प्रक्रिया पूरी की जा चुकी है, उनमें से 27 के आंगन किलकारियों से गूंज रहे हैं। बस्तर के पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा के अनुसार, बस्तर के एक पूर्व नक्सली के घर दो महीने पहले ही बच्ची का जन्म हो चुका है। उस पूर्व नक्सली का परिवार इस बच्ची के साथ अपना पारिवारिक जीवन आनंद से बिता रहा है।

आमतौर नसबंदी खोलने के इस जटिल ऑपरेशन के लिए बड़े शहरों और महानगरों के सुविधा संपन्न अस्पतालों में जाना पड़ता है। लेकिन यह पहला मौका है, जब छत्तीसगढ़ के दूर-दराज के बस्तर संभाग में स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर इस जटिल ऑपरेशन प्रक्रिया को सफलता के साथ अंजाम तक पहुंचाया गया। इस पहल में बस्तर के जिला प्रशासन के साथ ही बस्तर पुलिस और यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के पश्चिमी जोन की बड़ी और महत्वपूर्ण भूमिका रही। यूरोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष और इंदौर निवासी डॉक्टर राजेश कुकरेजा का कहना है कि बस्तर जैसे इलाके में इतने बड़े स्तर पर नसबंदी खोलने का सफल ऑपरेशन किया जाना चिकित्सा क्षेत्र की बड़ी उपलब्धि है। इस ऑपरेशन की शुरूआत जगदलपुर के महारानी अस्पताल में की गई। इसके लिए विशेष शिविर आयोजित किए गए। जगदलपुर के जिला अस्पताल में नसबंदी खोलने के विशेष शिविरों में देश के जाने माने यूरोलॉजिस्ट डॉ. सुशील राठी, डॉ. ललित शाह एवं डॉ. योगेश बरापात्रे सहित इंदौर के डॉ. राजेश कुकरेजा, पुणे के डॉ. सागर भालेराव और डॉ. राहुल, महाराष्ट्र के नांदेड़ के डॉ. अभिषेक, मुंबई के डॉ. निनाद तंबोली और डॉ. पार्थ मानेक के साथ ही रायपुर के डॉ. राहुल कपूर एवं डॉ. घनश्याम हटवार की टीम ने पूर्व नक्सलियों का सफल ऑपरेशन किया है। इनके सहयोग के लिए छह स्थानीय डॉक्टरों सहित करीब 50 सदस्यों वाली मेडिकल टीम जुटी रही।

छत्तीसगढ़ सरकार की यह पहल बाकी राज्यों द्वारा नक्सलियों के आर्थिक और जमीनी पुनर्वास नीति से अलग है। विष्णुदेव साय सरकार की इस मानवीय पहल की प्रशंसा मेडिकल जगत के साथ ही समाजविज्ञानी भी कर रहे हैं। इस पहल के तहत शारीरिक और मेडिकल जांच के साथ ही प्रजनन योग्य पाए जाने वाले नक्सलियों के ही ऑपरेशन किए जाते हैं। इनमें चालीस साल तक की उम्र वाले पूर्व नक्सलियों को ही प्राथमिकता दी जाती है। जगदलपुर के महारानी अस्पताल के सिविल सर्जन डॉक्टर संजय प्रसाद के मुताबिक, राज्य सरकार की पहल पर जल्द ही तीसरे चरण का भी शिविर लगाने की तैयारी है, जिसमें दो दर्जन से ज्यादा पूर्व नक्सलियों के ऑपरेशन किये जायेंगे।

छत्तीसगढ़ की यह मानवीय पहल समर्पित नक्सलियों को ना सिर्फ अपने समाज, बल्कि परिवार से भी जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यह पहल नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा रणनीति से आगे बढ़कर विश्वास निर्माण और सामाजिक-मानवीय पुनर्वास मॉडल के रूप में आगे आ रहा है। ये 73 ऑपरेशन महज चिकित्सकीय आंकड़ा नहीं है, बल्कि इन परिवारों की उम्मीद और सामान्य जीवन की ओर आगे बढ़ने का भी प्रतीक है। उम्मीद की जानी चाहिए कि झारखंड और दूसरे नक्सल प्रभावित राज्यों की सरकारें भी इस पहल से प्रेरित होंगी।

शरीर में उत्पन्न होने वाली कई नई-पुरानी व्याधियों को दूर करने के लिए जापान की सकनीरा एसोसिएशन द्वारा पानी के प्रयोग का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। पानी के द्वारा रोगों को दूर करने की यह सादी-सरल विधि है। भारत जैसे गरीब देश के लिए तो यह विधि बिना पैसा खर्च की चमत्कारी पद्धति सिद्ध हो सकती है।

# सेहत का राज बस 4 ग्लास पानी एक साथ

सिरदर्द, उच्च रक्तचाप, खून की कमी, मोटापा, बेहोशी, दमा, खांसी, लीवर की कमजोरी, पेशाब की बीमारी, गैस, कब्ज, एसीडिटी, कमजोरी, आंख की बीमारी, मानसिक रोग, महिलाओं को होने वाली बीमारियां एवं शरीर में उत्पन्न होने वाली कई नई–पुरानी व्याधियों को दूर करने के लिए जापान की सकनीरा एसोसिएशन द्वारा पानी के प्रयोग का प्रचार–प्रसार किया जा रहा है। पानी के द्वारा रोगों को दूर करने की यह सादी–सरल विधि है। भारत जैसे गरीब देश के लिए तो यह विधि बिना पैसा खर्च की चमत्कारी पद्धति सिद्ध हो सकती है। कमी है तो बस इसके जनसाधारण के बीच प्रसार की।

## पानी प्रयोग की विधि क्या है

सुबह उठकर बिस्तर में बैठ जाएं और चार बड़े ग्लास भरकर (लगभग एक लीटर) पानी एक ही समय एक साथ पी जाएं। ध्यान रहे कि पानी पीने के पहले मुंह न धोएं, न ब्रश करें तथा शौचकर्म भी न करें। पानी पीने के बाद थूकें नहीं। पानी पीने के पौन घंटे बाद आप ब्रश/दातून, मुंह धोना, शौचकर्म इत्यादि नित्यकर्म कर सकते हैं। जो व्यक्ति बीमार या कमजोर काया के हैं और वे एक साथ चार ग्लास पानी नहीं पी सकते तो उन्हें शुरूआत एक–दो ग्लास पानी से करना चाहिए तथा धीरे–धीरे चार ग्लास तक बढ़ाना चाहिए। साथ ही भोजन करने के बाद लगभग दो घंटे पानी न पिया जाए तो अति उत्तम रहेगा।

चार ग्लास पानी पीने की यह विधि स्वस्थ या बीमार, सभी के लिए अति लाभदायक सिद्ध हुई है। सकनीरा एसोसिएशन के अनुभव द्वारा यह सिद्ध किया गया है कि कई बीमारियां इस प्रयोग से निम्नलिखित समय में दूर होती जाती हैं।

- मधुमेह एक माह के लगभग। ● उच्च रक्तचाप एक माह के लगभग।
- गैस दो सप्ताह के लगभग। ● टी.बी. छः माह के लगभग। ● कब्जीयत– दो सप्ताह के लगभग।

# सावधान रहें ताजातरीन सब्जियों से

**यूं तो हम हर रोज तरह-तरह की सब्जियां खाते हैं लेकिन वे ताजा होती हैं इस बारे में कुछ भी कहना मुश्किल है। हर रोज सामने आ रही बीमारियों के पीछे कहीं न कहीं एक कारण यह भी है कि आज इंसान को शुद्ध और ताजा आहार नसीब नहीं हो पा रहा। मिलावट और रसायन संरक्षण से सब्जियां भी अछूती नहीं हैं।**

सब्जी विक्रेता आज या तो रसायन में संरक्षित कर रखी गई सब्जियां बेचते हैं या फिर मुनाफे के चक्कर में लौकी जैसी सब्जियों का आकार बढ़ाने के लिए उनमें ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन लगा देते हैं। आहार विशेषज्ञ का कहना है कि लोगों को अपने आहार में ताजा सब्जियों का इस्तेमाल करना चाहिए और ऐसी सब्जियों के सेवन से बचना चाहिए जो बहुत दिनों से संरक्षित कर रखी गई हों। ताजा सब्जियां जहां खाने में स्वादिष्ट और पौष्टिक होती हैं वहीं उनमें विटामिन काबोहाइड्रेट और प्रोटीन जैसे पोषक तत्व भी प्रचूर मात्रा में होते हैं लेकिन सावधानी यह जरूरी है कि सब्जियां सचमुच ताजा हो न कि उन्हें इंजेक्शन से ताजा बनाया गया हो। बाजार से सब्जियां खरीदते समय बहुत सतर्क रहने की जरूरत है। यदि ऐसी सब्जी खरीद ली जाती है, जिसका आकार बढ़ाने के लिए या चमकदार दिखाने के लिए किसी रसायन का इस्तेमाल किया गया हो तो इससे पेट में अल्सर अम्लता और गैस बनने जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। सब्जियों को संरक्षित कर रख दिए जाने स`

उनके पोषक तत्वों में कमी आ जाती है, जो स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद नहीं हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए कि एक बार सब्जी बनाने के बाद उसे बार–बार गर्म करके रात तक इस्तेमाल किया जाता रहे। ऐसा करने से उसके पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं और शरीर को कोई फायदा नहीं पहुंचता। एक बार सब्जी बनाने के बाद उसे कुछ घंटों के भीतर ही इस्तेमाल कर लेना चाहिए। सब्जी को फ्रिज में रख देने का मतलब यह नहीं है कि वह जरा भी खराब नहीं होगी। फ्रिज में रखी सब्जी को भी छह–सात घंटे के भ ी त र इस्तेमाल कर लेना चाहिए। इसके बाद उसके पोषक तत्वों में ह्रास होने लगता है।

# सिर्फ 5 आहार ठंड में रखे सदाबहार

**सर्द मौसम में व्यायाम करके अपने शरीर को गर्म व ऊर्जावान बनाए रखने के साथ ही अपने भोजन में ऐसी चीजों को शामिल करना भी जरूरी हो गया है जिनकी कम मात्रा लेने पर भी शरीर को भरपूर कैलोरी मिले। पेश है 5 ऐसे आहार जो आपको सर्दियों में तरोताजा और स्वस्थ बनाएंगे।**

## सलाद

आपके सुबह व शाम के भोजन में सलाद के लिए एक सुरक्षित स्थान होना चाहिए। यदि आप कम कैलोरी और हाई फाइबर वाला फूड लेना चाहते हैं तो सलाद आपके लिए बेहतर विकल्प है। सलाद के लिए प्रयोग में आने वाली कच्ची सब्जियों व फलों में एंटी ऑक्सीडेंट, नेचुरल एंजाइम्स और फाइबर्स होते हैं जो शरीर के कोलेस्ट्रॉल को कम करने के साथ ही भोजन के पाचन में भी सहायक होते हैं। इससे आपका वजन भी नियंत्रित रहता है। यदि आप सेहत के प्रति जागरूक हैं तो आपको रोजाना कम से कम एक बड़ा कप हरी सलाद खानी चाहिए।

## छिलके वाली दालें

छिलके वाली दालों में प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। प्रोटीन के साथ ही दालों में फोलिक एसिड, विटामिन ए, विटामिन बी आदि होता है। इनका रोजाना सेवन शरीर में कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को कम करता है जिससे आपका वजन नियंत्रित होता है।

## पीले व खट्टे फल

फलों में सबसे अधिक गुणकारी खट्टे फल होते हैं। पीले व नारंगी रंग के फलों में बीटा केरोटिन व एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। खट्टे फल विटामिन सी, कैल्शियम, मिनरल, फाइबर्स आदि का प्रमुख स्रोत होते हैं जो शरीर के विकास के लिए उपयोगी होते हैं। नींबू में मौजूद पेक्टिन शरीर में जमा वसा को गलाता है और पाचन प्रक्रिया को भी धीमा करता है जिससे खाने के बाद भी लगने वाली भूख शांत होती है। खट्टे फलों का सेवन डाइबीटिज, कैंसर, एनीमिया, मोतियाबिंद, अस्थमा, किडनी में पथरी आदि रोगों में लाभदायक होता है। इन फलों को निरंतर सेवन से हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी वृद्धि होती है।

## तरल, जूस व ड्रिंक

भोजन के पूर्व या पश्चात यदि आप तरल पदार्थ लेने के आदी हैं तो इस सर्द मौसम में भी आप छाछ, लस्सी, दही व फ्रूट जूस का सेवन कर सकते हैं। दही, छाछ व ताजे फलों का रस आपके शरीर के लिए गुणकारी होता है। खट्टे फलों में नींबू का रस वजन कम करने, डेंटल केयर, बुखार, रक्त शुद्धि आदि में सहायक होता है। भोजन के बाद ली जाने वाली छाछ में दूध की अपेक्षा फैट की मात्रा कम होती है। यदि हम लिक्विड में नारियल पानी की बात करें तो इसमें पोटेशियम की भरपूर मात्रा होती है, जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने के साथ ही शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। इसमें कार्बोहाइड्रेट, शर्करा व वसा की कम मात्रा होती है।

## अंकुरित अनाज

अंकुरित किए जाने से अनाज में पोषक तत्वों की मात्रा दुगुनी हो जाती है। चना, मूंग, सोयाबीन, मटर आदि को अंकुरित करके खाया जा सकता है। सर्दियों के मौसम में नाश्ते में अंकुरित अनाज को शामिल करना स्वास्थ्य के लिहाज से बेहतर है। भरपूर अंकुरित अनाज का सेवन आप सूप या सलाद के साथ भी कर सकते हैं। सुलभ, सस्ता, बनाने में आसान व पौष्टिक होने के कारण अंकुरित अनाज का सेवन आपके शरीर के लिए लाभदायक होता है। विटामिन, मिनरल्स, प्रोटीन, एंटी ऑक्सीडेंट आदि की भरपूर मात्रा होने के कारण अंकुरित अनाज हमारे भोजन के पाचन में भी सहायक होता है।

# ब्रेस्ट कैंसर से बचाता है विटामिन डी

ब्रिटेन के विशेषज्ञों का कहना है कि विटामिन डी के सेवन से स्तन कैंसर के खतरे को कम किया जा सकता है. लंदन की सर्जन एवं प्रो. केफाह मोकबेल के अनुसार इससे एक हजार जिंदगियां प्रतिवर्ष बचाई जा सकती हैं. वैसे तो धूप विटामिन डी का सबसे बड़ा स्रोत है. लेकिन महिलाएं अक्सर अपनी दिनचर्या में इससे महरूम हो जाती है. प्रो. मोकबेल का दावा है कि 20 साल की आयु के बाद महिलाएं को प्रतिदिन एक विटामिन डी की गोली का सेवन करना चाहिए. इसके सेवन से स्वस्थ्य महिलाओं में भी ब्रेस्ट कैंसर होने की आशंका काफी घट जाती है. महिलाओं में जरूरी विटामिन डी लेबल काफी उच्च स्तर का होता है. जो अक्सर कम हो जाता है. इसे मेंटेंन करके खतरे को कम किया जा सकता है.

अध्ययन के अनुसार इसका (विटामिन डी की गोलियों का) खर्च काफी कम है और लाभ काफी अधिक क्योंकि इससे बड़ी परेशानी की आशंका काफी कम हो जाती है. एक अध्ययन के अनुसार, ब्रिटेन में हर साल 50 हजार महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर की चपेट में आ रही हैं. इसमें 1200 मौत के मुंह में चली जाती हैं. अध्ययन के अनुसार, वैसे तो विटामिन डी हड्डियों की मजबूती में अहम रोल अदा करता है. लेकिन अब यह भी माना जाता है कि विटामिन डी इम्यून सिस्टम और कोशिका विभाजन को नियंत्रित करने में भी लाभकारी है. यह दोनों कैंसर की रोक के अहम कारक हैं. अमेरिका के हार्वर्ड स्कूल और पब्लिक हेल्थ के अनुसार विटामिन डी की कमी से कई बड़ी बीमारियों जैसे ऑस्टियोपोरोसिस, हृदय रोग, फ्लू, कई प्रकार के कैंसर, टीबी और स्केरोसिस का खतरा बढ़ जाता है. विटामिन डी हड्डियों की मजबूती में अहम रोल अदा करता है यह इम्यून सिस्टम और कोशिका विभाजन को नियंत्रित करने में लाभकारी हेल्थ फैक्ट्स है.

# जरा संभलकर मम्मी टू बी...

**गर्भावस्था के दौरान जरा सी असावधानी बरतने पर आपको कमर दर्द संबंधी समस्या उत्पन्न हो सकती है। इससे बचने के लिए आइए जानते हैं क्या करें और क्या न करें**

## ऐसा न करें

- भारी वस्तुएं न उठाएं। ● कमर को झुकाएं नहीं।
- उल्टे–सीधे तरीके से न लेटें। ● जगने पर बिस्तर से झटके में न उठें।
- ज्यादा देर के लिए हाई हील न पहनें।
- कंधे पर भारी बैग लटकाकर न चलें।
- हर काम अपने सिर पर लेने की कोशिश न करें।

## ऐसा करें

- भारी वस्तुएं उठाने के लिए अपने पति या अपने किसी खास से कहें।
- कमर झुकाने के बजाय घुटनों के बल बैठें और अपनी कमर सीधी रखें।
- अपनी स्पाइन को सीधा रखने के लिए जिस करवट लेटी हैं उस तरफ घुटनों के बीच में एक तकिया जरूर रखें।
- नींद से उठने पर पहले करवट लें। फिर अपने हाथों का सहारा लेकर बैठ जाएं।
- हाई हील के स्थान पर लो हील और फ्लैट जूते–चप्पल का ही इस्तेमाल करें। इससे आपकी पेल्विस और पीठ सीधी रहेगी।
- भारी बैग के बजाय बैक पैक का इस्तेमाल करें।
- जितना संभव हो घर के कामों की जिम्मेदारियां परिवार के सदस्यों को सौंपें। आपके साथ ही आने वाले नन्हें मेहमान को भी तो सुकून चाहिए।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com